CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-24
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, गुरुवार, 02 मई 2024

आज का विचार

अकड़ और अभिमान एक मानसिक बिमारी है, जिसका इलाज समय और कुदरत जरूर करती है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर

फाउंडेशन चेयरमैन फाउंडर अभिज्ञान आशीष मिश्रा की तरफ से श्रमिकों के योगदान के लिये दी गयी शुभकामनायें

एक मई 2024 को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया गया जिसे कई देशो मे मई दिवस के रूप मे जाना जाता हैं मजदूरों और श्रमिक वर्गों का एक उत्सव है जिसे अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक आंदोलन द्वारा बढ़ावा दिया जाता है श्रमिको के श्रम दान देने मे बहुत बड़ा प्रत्येक कार्यों मे योगदान माना जाता रहा हैं वैसे कई देशो मे अनैक संस्थाओ और फाउंडेशनो के द्वारा श्रमिकों के योगदान के लिये अनैक कदम नियमों के खाका तैयार किया गया हैं । 1889 में, मार्क्सवादी इंटरनेशनल सोशलिस्ट कांग्रेस की पेरिस में बैठक हुई और पहले इंटरनेशनल वर्किंगमेन्स एसोसिएशन के उत्तराधिकारी के रूप में दूसरे इंटरनेशनल की स्थापना की गई । उन्होंने आठ घंटे के कार्यदिवस की श्रमिक वर्ग की मांगों के समर्थन में एक महान अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन का प्रस्ताव अपनाया । संयुक्त राज्य अमेरिका में एक आम हड़ताल की याद में अमेरिकन फेडरेशन ऑफ लेबर द्वारा 1 मई की तारीख को चुना गया था , जो 1 मई 1886 को शुरू हुई थी और चार दिन बाद हेमार्केट मामले में समाप्त हुई थी। बाद में यह प्रदर्शन एक वार्षिक कार्यक्रम बन गया। 1904 में दूसरे इंटरनेशनल के छठे सम्मेलन में सभी देशों के सभी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी संगठनों और ट्रेड यूनियनों को वर्ग की मांगों के लिए आठ घंटे के दिन की कानूनी स्थापना के लिए पहली मई को ऊर्जावान प्रदर्शन करने का आह्वान किया गया। अभीप्रय मिडिया फाउंडेशन के चेयरमैन फाउण्डर अभिज्ञान आशीष मिश्रा ने सभी श्रमिको को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर बहुत बहुत सुभकामनाये वा निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते विकास को देश मे श्रमिकों के योगदान देने मे बहुत बड़ा सहयोग हैं फाउंडेशन सदैव ही सफलता की कामना करता हैं।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा कोरोना वैक्सीन का मामला

मेडिकल एक्सपर्ट से कराएं कोविशील्ड से होने वाले साइड इफेक्ट की जांच

नई दिल्ली। कोरोना से बचाव के लिए दी जाने वाली कोविशील्ड इंजेक्शन का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।कोविशील्ड वैक्सीन को लेकर विशाल तिवारी नाम के एक शख्स ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की है। पेशे से वकील विशाल तिवारी ने अपनी याचिका में एक्स डायरेक्टर की अध्यक्षता में कोविशील्ड वैक्सीन के दुष्प्रभाव और जोखिम की जांच के लिए चिकित्सा विशेषज्ञ पैनल गठित करने की मांग की है। साथ ही याचिका में कहा गया है कि ये सब सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की निगरानी में किया जाए। विशाल ने अपनी याचिका में कोविशील्ड वैक्सीन के दुष्प्रभावों और इसके जोखिम कारकों की जांच करने और वैक्सीन से हुए नुकसान का निर्धारण करने के लिए केंद्र को निर्देश जारी करने की भी मांग की है। इस याचिका में साफ तौर पर कहा गया है कि जो लोग इस वैक्सीन को लगाने की वजह से अक्षम हो गए हैं या जिनकी मौत हो गई है, उन्हें मुआवजा देने का निर्देश दिया जाए। अपनी याचिका में विशाल तिवारी ने कहा है कि हाल ही में कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने स्वीकार किया था कि जिन लोगों ने कोरोना के दौरान कोविशील्ड वैक्सीन ली है उनमें रेयर साइड इफेक्ट हो सकते हैं। कंपनी ने स्वीकार किया था कि ब्लड में प्लेटलेट्स कम होने, रक्त के थक्के जमने में इस इंजेक्शन की भूमिका हो सकती है। भारत में पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट को एस्ट्राजेनेका ने इस वैक्सीन के निर्माण के लिए लाइसेंस दिया था। विशाल तिवारी ने अपनी याचिका में बताया है कि भारत में इस वैक्सीन के करीब 175 करोड़ डोज लोगों को दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया है कि कोविड-19 के बाद हार्ट अटैक से लोगों के मरने की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। यहां तक कि युवाओं में भी हार्ट अटैक के कई मामले देखने को मिले हैं। अब जबकि कोविशील्ड के निमार्ता कंपनी ब्रिटिश फार्मा एस्ट्राजेनेका ने यूके की कोर्ट में स्वीकार किया था कि उसकी कोविड वैक्सीन के रेयर साइड इफेक्ट हो सकते हैं। कंपनी ने कहा था कि कोविशील्ड एक ऐसी स्थिति का कारण बन सकती है, जिससे खून के थक्के जम सकते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या कम हो सकती है। इन बातों को देखते हुए यह जरूरी हो जाता है कि लोगों के स्वास्थ्य के मद्देनजर सरकार जल्द इस मामले में कदम उठाए।याचिका में कहा गया है कि यूके सहित कुछ देशों में इस वैक्सीन से लोगों के स्वास्थ्य में नुकसान होने पर सरकार की ओर से आर्थिक मदद देने का प्रावधान है।

डुबकी लगाकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कही यह बात

प्रश्न ना उठाएं मां शिप्रा की पवित्रता बनी रहने दें

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव गुरुवार सुबह धार्मिक नगरी उज्जैन पहुंचे जहां वह सबसे पहले मां शिप्रा के तट रामघाट पहुंचे। जहां उन्होंने शिप्रा नदी में डुबकी लगाई और कुछ देर तक तेराकी का आनंद भी लिया। मां शिप्रा में डुबकी लगाने के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मां शिप्रा की पवित्रता पर प्रश्न उठाने वाले लोगों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्रश्न ना उठाएं मां शिप्रा की पवित्रता बनी रहने दे। लगभग एक सप्ताह पूर्व मां शिप्रा में गंदे नाले का पानी मिलने पर कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी महेश परमार नाले के पास ही बैठ गए थे और इस दुर्गंध वाले पानी के शिप्रा में मिलने पर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताते हुए केंद्र और राज्य सरकार पर कई प्रश्न उठाए थे। यही नहीं इसके बाद वह नदी में उतरे थे जहां उन्होंने इस गंदे नाले के पानी के कारण मेली हो रही मां शिप्रा में ही डुबकी लगाई थी और इस पानी का आचमन कर सूर्य को अर्ध्य भी चढ़ाया था। कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी महेश परमार द्वारा केंद्र और राज्य सरकार पर शिप्रा शुद्धिकरण को लेकर उठाए गए प्रश्न के बाद आज मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव रामघाट पहुंचे जहां उन्होंने मां शिप्रा को पावन और स्वच्छ बताते हुए डुबकी लगाई।

मीडिया से यह बोले मुख्यमंत्री डॉ यादव

मां शिप्रा में डुबकी लगाने के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा महाकाल की नगरी मे 33 करोड़ देवी देवताओं का वास है। शिप्रा के पावन तट पर स्नान करने का विशेष महत्व है यहां की परंपरा है कि हम यहां डुबकी लगाकर इस तीर्थ का महत्व बढ़ाएं। आपने कहा कि बड़ा दुख होता है जब कभी-कभी कुछ लोग मां शिप्रा पर प्रश्न उठाते हैं हम सब जानते हैं कि यह मां शिप्रा का तट है इसकी पवित्रता सदैव बनी रहना चाहिए।

सभी स्कूलों को ईमेल भेजने के लिए एक ही आईपी एड्रेस, नफरती भाषा का किया इस्तेमाल

रूस से भेजे गए स्कूलों को बम से उड़ाने वाले ईमेल!

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के 100 से अधिक स्कूलों को बुधवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी मिलने के बाद खलबली मच गई। दिल्ली के कई नामी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। डीपीएस, मदर मैरी स्कूल और संस्कृति स्कूल जैसे नामी स्कूलों को धमकी दी गई। जांच एजेंसियों को संदेह है कि ईमेल रूस स्थित सर्वर से आया है। सूत्रों का कहना है कि सभी स्कूलों को ईमेल भेजने के लिए एक ही आईपी एड्रेस का इस्तेमाल किया गया था। दिल्ली पुलिस की साइबर टीम भी जांच में शामिल हो गई है। सूत्रों का कहना है कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि स्कूलों को धमकी भरा मेल भेजने के लिए इस्तेमाल किया गया ईमेल पता रूसी डोमेन का था। हालांकि, पुलिस अभी तक यह पता नहीं लगा पाई है कि ईमेल वास्तव में रूस से आया था या नहीं। जैसे ही धमकियों की खबर फैली दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने एक बयान जारी कर कहा कि आज दिल्ली के कुछ स्कूलों में बम होने की झूठी कॉल-मेल आए, दिल्ली पुलिस को कहीं भी कुछ भी प्रतिकूल-संदिग्ध नहीं मिला। हमारे सभी छात्र और शिक्षक सुरक्षित हैं। सभी से अनुरोध है कि घबराएं नहीं। अभिभावकों को राहत देने के लिए यदि माता-पिता स्कूल पहुंच गए थे तो छात्रों को स्कूल से जाने की अनुमति दी गई।

धमकी भरे ई-मेल में लिखी है यह बातें- स्कूलों को जो ईमेल भेजे गए हैं उसमें नफरती भाषा का इस्तेमाल किया गया है। ईमेल में लिखा, हमारे हाथों में जो लोहा है वह हमारे दिलों को गले लगाता है। इंशाअल्लाह, हम इन्हें हवा में उड़ा कर तुम्हारे शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर देंगे। तुम्हारे घिनौने शरीरों को चीर देंगे। हम तुम्हारी गर्दन और चेहरे को फाड़ देंगे। अल्लाह की मर्जी हुई तो हम तुम्हें आग की लपटों में डाल देंगे। जिससे तुम्हारा दम घुट जाएगा। काफिरों के लिए जहन्नुम में अलग आग है। काफिरों, इंशाअल्लाह, तुम इसी आग में हमेशा के लिए जल जाओगे। आगे लिखा कि आपके द्वारा पैदा की गई बुराई से धुआं आसमान में उतरेगा। आपके पास बहुत सारा खाली लोहा है, किसी भी मात्रा में किसी भी शून्य में कोई शक्ति नहीं है, यह सब दूर जा रहा है। क्या तुमने सच में सोचा था कि बचपन से तुमने जो भी बुराइयां की हैं, उसका कोई जवाब नहीं होगा, हमारे दिलों में जिहाद की आग जला दी गई है। हम वह आग बन गए हैं, इंशाअल्लाह जो सिर्फ बदले की वकालत करता है।

लोकसभा चुनाव में पाकिस्तान की एंट्री, आणंद में बोले पीएम मोदी-

कांग्रेस और पड़ोसी देश में पार्टनरशिप

लोकसभा चुनाव में पाकिस्तान भी एंट्री हो गई है। पाकिस्तान में इमरान खान सरकार में मंत्री रहे चौधरी फवाद हुसैन ने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए वीडियो शेयर किया तो भाजपा ने इसे तत्काल मुद्दा बना लिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के आणंद में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान और कांग्रेस के बीच पार्टनरशिप है। कांग्रेस पाकिस्तान की मुरीद है। पीएम मोदी ने कहा- देश ने 60 साल तक कांग्रेस का राज देखा है। अब देश ने 10 साल भाजपा का सेवाकाल भी देखा है। वो शासनकाल था, ये सेवाकाल है। कांग्रेस के 60 साल में करीब 60% ग्रामीण आबादी के पास शौचालय नहीं था। 10 साल में भाजपा सरकार ने शत-प्रतिशत टॉयलेट बना दिए। 60 साल में कांग्रेस देश में सिर्फ 3 करोड़ ग्रामीण घरों तक ही नल से जल की सुविधा पहुंचा पाई, यानी कि 20% से भी कम घरों में। 10 साल में ही नल से जल पहुंचने वाले घरों की संख्या आज 14 करोड़ हो गई है, यानी 75% घरों में नल से जल पहुंचा है।कांग्रेस के शहजादे आजकल माथे पर संविधान रखकर नाच रहे हैं। लेकिन, कांग्रेस मुझे जवाब दे कि जिस संविधान को आज माथे पर रखकर नाच रहे हो, क्यों 75 साल तक हिंदुस्तान के सभी हिस्सों पर ये संविधान लागू नहीं होता था। मोदी के आने से पहले इस देश में 2 संविधान, 2 झंडे थे। शहजादे की पार्टी कांग्रेस ने, इनके परिजनों ने देश में संविधान लागू नहीं होने दिया था। कश्मीर में हिंदुस्तान का संविधान लागू नहीं होता था। धारा 370 दीवार बनकर बैठी थी। सरदार पटेल की भूमि से आए इस बेटे ने उस 370 को जमींदोज कर दिया और सरदार साहब को श्रद्धांजलि दी।

मनाने में जुटे हैं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे

राहुल ने अमेठी से चुनाव लड़ने से किया इनकार, प्रियंका को भी रोका

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी के इनकार के चलते ही अब तक उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं हो सका है। फिलहाल मल्लिकार्जुन खरगे उन्हें राजी करने में जुटे हैं। वह यदि राजी हुए तो उनके नाम का ऐलान गुरुवार तक हो सकता है। यदि नहीं हुए तो फिर गांधी परिवार के बाहर के किसी नेता का नाम भी आ सकता है। इसकी वजह यह है कि राहुल गांधी यह भी नहीं चाहते कि प्रियंका गांधी या परिवार का कोई और सदस्य भी अमेठी या फिर रायबरेली सीट से चुनाव लड़े।

इस तरह ऐसा पहली बार हो सकता है कि रायबरेली और अमेठी दोनों ही सीटों से गांधी परिवार का कोई सदस्य चुनाव में नहीं उतरेगा। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी का कहना है कि वह खुद अमेठी से फिर उतरे और रायबरेली से प्रियंका गांधी उतरीं तो भाजपा को परिवारवाद के नाम पर हमला करने का मौका मिल जाएगा। अमेठी से चुनाव लड़ने के लिए तो रॉबर्ट वाड्रा तक तैयार हैं, लेकिन राहुल गांधी नहीं चाहते कि फैमिली से कोई भी मैदान में आए। पीएम नरेंद्र मोदी अकसर कांग्रेस पर परिवारवाद के आरोप लगाते रहे हैं। अब यदि फिर से अमेठी और रायबरेली से फैमिली के ही लोग लड़े तो उन्हें एक नया हथियार मिल सकता है।

कांग्रेसियों की अपील दरकिनार

दरअसल चर्चा थी कि अमेठी से राहुल और रायबरेली से प्रियंका गांधी लड़ सकती हैं। कांग्रेस में एक प्रस्ताव यह भी दिया कि यदि प्रियंका को चुनावी समर से बाहर ही रखना है और अमेठी से मन नहीं है तो राहुल गांधी खुद रायबरेली से चुनाव लड़ें। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी इस पर सहमत दिख रहे थे, लेकिन उन्होंने इससे इनकार ही कर दिया। अब कांग्रेस के आगे धर्मसंकट की स्थिति है। एक तरफ राहुल गांधी चुनाव लड़ने को तैयार नहीं हैं और दूसरी तरफ किसी और नेता को मौका मिला तो भाजपा डर कर भागने का आरोप लगाने लग जाएगी। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पसोपेश में है। मल्लिकार्जुन खरगे लगातार राहुल गांधी को मनाने में जुटे हैं, लेकिन वह अब तक राजी नहीं हैं। गौरतलब है कि अमेठी सीट पर तो भाजपा की कैंडिडेट स्मृति इरानी लंबे समय से कैंपेन कर रही हैं। रायबरेली से अब तक पार्टी ने कैंडिडेट का ऐलान नहीं किया है। माना जा रहा है कि भाजपा भी इसी इंतजार में है कि पहले कांग्रेस अपना कैंडिडेट तय करे। माना जा रहा है कि कांग्रेस की ओर से प्रियंका को उतारने पर अदिति सिंह को मौका मिल सकता है। यदि प्रियंका नहीं उतरीं तो फिर मनोज पांडेय, दिनेश सिंह के नाम चर्चा में हैं। चर्चा यहां तक थी कि वरुम गांधी को भी भाजपा ने रायबरेली सीट ऑफर की थी, लेकिन उन्होंने लड़ने से इनकार कर दिया।

सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस के मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ की अमेरिका में मौत की खबर

चंडीगढ़। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड केस के मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ की अमेरिका में मौत की खबर सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, उसे अमेरिका में गोली मारी गई है। गोल्डी की हत्या की जिम्मेदारी डल्ला-लखबीर गैंग ने ली है। गोल्डी बराड़ का असली नाम सतिंदरजीत सिंह है। जन्म 1994 में पंजाब के मुक्तसर साहिब जिले में हुआ। बता दें कि गोल्डी बराड़ के पिता पंजाब पुलिस से रिटायर्ड उप निरीक्षक हैं। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद उसका नाम मीडिया में चर्चा में है। हालांकि इससे पहले भी वह कई वारदात कर चुका था। चंडीगढ़ में चचेरे भाई गुरलाल बराड़ की हत्या के बाद गोल्डी बराड़ ने अपराध की दुनिया में कदम रखा। चंडीगढ़ के इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 स्थित एक क्लब के बाहर 11 अक्तूबर 2020 की रात पंजाब विश्वविद्यालय (पीयू) के छात्रनेता गुरलाल बराड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

इंदौर, भोपाल ,जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, होशंगाबाद, सतना, सागर, रीवा, कटनी, छिंदवाड़ा, छतरपुर, गुना, सीधी, उमरिया, छग, उप्र, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब एव नई दिल्ली से प्रसारित

बड़े आंदोलन का कांग्रेस का दावा फुस्स, दरवाजे पर बैठ खिंचवाई तस्वीरें

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर के चुनावी मैदान से बेदखल होने के बाद कांग्रेस जनता के बीच जाने और बड़े आंदोलन के दावे कर रही है। मंगलवार शाम जीतू पटवारी, सज्जनसिंह वर्मा जैसे बड़े नेताओं ने पत्रकार वार्ता में कहा था कि बुधवार को कांग्रेस आंदोलन की श्रृंखला की रूपरेखा घोषित करेगी। हालांकि कांग्रेस का आंदोलन तो नहीं हुआ। मुट्ठीभर नेताओं ने गांधी भवन के दरवाजे पर बैठकर तस्वीरें खिंचवा ली और उसे विरोध आंदोलन का नाम दे दिया।व बुधवार सुबह कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने इंटरनेट मीडिया पर संदेश चला दिया कि लोकतंत्र की हत्या के विरोध में कांग्रेस राजवाड़ा पर शोकसभा करेगी। हालांकि शहर कांग्रेस कमेटी ने ऐसे किसी आंदोलन की घोषणा से इनकार कर दिया। शाम

को कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्रसिंह यादव व सात-आठ कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन के दरवाजे पर बैठकर तस्वीरें खिंचवाई। कांग्रेस से बगावत करने वाले उम्मीदवार अक्षय बम का पोस्टर पकड़ा और शोकसभा का नाम देकर इंटरनेट मीडिया पर तस्वीरें जारी कर दी। बाद में सफाई में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रशासन ने राजवाड़ा पर आंदोलन की अनुमति नहीं दी इसलिए गांधी भवन पर आयोजन हुआ।

लोकसभा चुनाव के चलते 7 से 19 मई के बीच होने वाली परीक्षाएं बढ़ाई आगे, 1 दिन बाद बनेगा नया टाइम टेबल

सिटी चीफ इंदौर।

लोकसभा चुनाव के चलते देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को स्नातक अंतिम वर्ष के परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा है। 7 से 19 मई के बीच होने वाले बीए और बीएससी अंतिम वर्ष के पेपर को आगे बढ़ा दिया है। विश्वविद्यालय ने इन विषयों की परीक्षा संबंधित नया शेड्यूल जारी कर दिया है। ये परीक्षाएं 1 जून के बाद रखी गई हैं। चुनाव से जुड़े निर्वाचन कार्यों में विश्वविद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लग चुकी है। इसके चलते परीक्षा से जुड़ी व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। इसे ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने बुधवार को परीक्षाओं को आगे बढ़ाने का फैसला लिया है। 7 से

19 मई के बीच बीए और बीएससी के नौ - नौ विषयों की परीक्षा होनी थी, जो अब 2 से 12 जून के बीच करवाई जाएंगी। विश्वविद्यालय ने टाइम टेबल को पोर्टल पर अपलोड कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी का कहना है कि चुनाव की वजह से परीक्षा करवाना थोड़ा मुश्किल हो रहा था, क्योंकि केंद्रों पर प्रश्नपत्र और उत्तरपुस्तिकाएं पहुंचाने को लेकर कर्मचारियों की कमी है। उन्होंने कहा कि परीक्षा का नया शेड्यूल बना दिया है।

ठेकेदारों के खातों से जिन अलग-अलग खातों में ट्रांसफर होता था पैसा उनकी भी होगी जांच

सिटी चीफ इंदौर।

फर्जी बिलों के जरिए नगर निगम से करोड़ों रुपये का भुगतान प्राप्त करने वाले ठेकेदार निगम से बिल की राशि अपने खातों में लेते थे। इसके बाद इस राशि को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया जाता था। जिन खातों में इस राशि को ट्रांसफर किया जाता था वहां से यह राशि नकद के रूप में निकाल ली जाती थी। निगम की जांच कमेटी ने 20 फाइलों की जांच शुरू की थी लेकिन यह धीरे-धीरे 188 फाइलों तक पहुंच गई। इनमें से 178 फाइलें ड्रेनेज विभाग से जुड़ी हैं। नगर निगम अब ठेकेदारों द्वारा निगम से हड़पी गई करोड़ों रुपये की राशि की वसूली के लिए कानून के जानकारों से सलाह ले रहा है। जांच कमेटी संभवत- गुरुवार को अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप देगी। इधर, निगमायुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि फर्जीवाड़े में लिप्त पाए गए तीन कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इनमें लिपिक राजकुमार सालवी और लेखा विभाग के वे दो कर्मचारी शामिल हैं, जिन्हें लिप्तता पाए जाने के बाद ट्रेंचिंग ग्राउंड भेजा गया था। बुधवार को सेवा समाप्ति के आदेश जारी कर दिए गए। समिति की जांच में यह बात भी सामने आई है कि आरोपित ठेकेदारों ने पहले निगम के अन्य विभागों में छोटा-मोटा काम कर विश्वास जमाया। विश्वास जमने के बाद वे खुद ही फाइलें लाने-ले-जाने लगे और फर्जीवाड़े को अंजाम देने लगे। आरोपितों ने ड्रेनेज विभाग के अलावा ट्रेंचिंग ग्राउंड, उद्यान विभाग में भी ऐसा ही फर्जीवाड़ा किया है। फर्जीवाड़े का मास्टर माइंड एक्जीक्यूटिव इंजीनियर अभय राठौर इसके पहले भी फर्जीवाड़े में पकड़ाने पर निलंबित हो चुका है। इसी तरह बर्खास्त किए गए चेतन भदौरिया की सेवाएं भी पूर्व निगमायुक्त के समय में समाप्त की जा चुकी हैं, लेकिन वह दोबारा निगम में आ गया। अब इस बात की भी जांच की जाएगी कि उसे दोबारा निगम में किसने रखा। वसूली के रास्ते निकालने की कोशिश में जुटा निगम इस बीच ठेकेदारों द्वारा फर्जी बिलों के जरिए निगम से हड़पे गए करोड़ों रुपये की वसूली के प्रयास भी शुरू हो गए हैं। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि हम अधिवक्ताओं से इस संबंध में चर्चा कर रहे हैं ताकि कानूनी प्रविधानों के मुताबिक कार्रवाई कर सकें। हमने आरोपितों की संपत्ति की जानकारी भी निकाली है। जांच के दौरान सामने आईं 188 फाइलों में से 178 फाइलें ड्रेनेज विभाग की हैं। शेष फाइलें जनकार्य विभाग, उद्यान व अन्य विभागों की हैं। इस बात की आशंका भी जताई जा रही है कि ड्रेनेज विभाग की तरह ही जलकार्य विभाग में भी गड़बड़ी हुई है।

इंदौर - उज्जैन मार्ग पर फ्लाईओवर का निर्माण, रोज सुबह - शाम जनता परेशान

सिटी चीफ इंदौर।

लवकुश चौराहे पर बुधवार सुबह लोग जाम से जूझते रहे। लोगों को अरबिंदो अस्पताल से एमआर-10 टोल नाका तक आने में डेढ़ घंटे का समय लगा। वजह लवकुश चौराहे पर चौतरफा निर्माण कार्य चलना और विभागीय समन्वय न होना है। यहां रोज का यही हाल है और व्यस्ततम समय में तो हालात काफी बदतर हो जाते हैं। इसके अलावा बुधवार को लवकुश चौराहे के पास उज्जैन रोड पर भाजपा नेता का स्वागत मंच सजा था, जिससे यातायात पर काफी दबाव पड़ा। बताया जा रहा है कि इस आयोजन की जानकारी भी यातायात पुलिस के पास नहीं थी। लवकुश चौराहा शहर के यातायात का प्रमुख चौराहा है। इंदौर-उज्जैन रोड पर सर्वाधिक यातायात चलता है। साथ ही महाकाल से ओंकारेश्वर जाने वाला यातायात भी यहीं से होकर गुजरता है। अरबिंदो अस्पताल से एमआर-10 ब्रिज तक बुधवार सुबह नौ से दोपहर करीब एक बजे तक

यातायात का दबाव बना रहा। मुख्य सड़क पर जाम लगने से लोग अरबिंदो से एमआर-10 ब्रिज तरफ जाने के लिए गलियों में गए तो गलियां भी पूरी तरह चोक हो गई। लोगों ने बताया कि अरबिंदो चौराहे से एमआर- 10 टोल नाका तक आने में उन्हें डेढ़ से पौने दो घंटे का समय लगा।

यातायात पुलिस को नहीं देते जानकारी

लवकुश चौराहे पर मेट्रो लाइन के निर्माण के अलावा इंदौर - उज्जैन मार्ग पर फ्लाईओवर भी बन रहा है। ऐसे में चारों सड़कों पर निर्माण एजेंसियों का काम पसरा रहता है। वैसे तो फ्लाईओवर निर्माण के लिए दोनों तरफ लोहे के बैरिकेड्स लगे हैं, निर्माण कार्य उसी के अंदर चलता है। परंतु कई बार निर्माण एजेंसियां जेसीबी और बड़ी-बड़ी ड्रिल मशीनें सड़क पर ले आती हैं। ऐसे में इंदौर विकास प्राधिकरण और अन्य निर्माण एजेंसियां यातायात पुलिस से संपर्क नहीं करती हैं और यातायात संचालन की कोई व्यवस्था नहीं हो पाती है। इससे जाम की स्थिति पैदा होती है। परिणामस्वरूप लोग घंटों जाम में फंसते हैं। जाम लगने के बाद आनन-फानन में यातायात पुलिस सड़कों पर उतरती है।

एक किमी के रास्ते में अनेक बाधाएं

वैसे तो लवकुश चौराहे से अरबिंदो अस्पताल तक एक किमी से भी कम का रास्ता है, परंतु यहां मौजूद अव्यवस्थाएं लोगों का 10 किमी पार करने जितना समय ले लेती है। इसमें विपरीत दिशा में ड्राइविंग, अरबिंदो अस्पताल के सामने दोनों तरफ सिटी और निजी बसों की मनमानी, आटो की मनमानी पार्किंग, सर्विस रोड पर अतिक्रमण समेत कई प्रकार की बाधाएं हैं। इन वजहों से यह एक किमी से कम का रास्ता पार करने में लोगों को काफी परेशानी होती है।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें!

इंदौर - महू के बीच चलने वाली ट्रेनों की आवाजाही 15 दिनों तक रहेगी बंद

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर - महू के बीच संचालित हो रही ट्रेनों की आवाजाही 15 दिनों तक बंद रहेगी। इस दौरान महू यार्ड रिमॉडलिंग, राऊ-महू दोहरीकरण और महू-पातालपानी ब्रॉडगेज लाइन प्रोजेक्ट के काम पूरे होंगे। इसे लेकर रतलाम मंडल के निर्माण विभाग के अफसर दो दिनों से सीआरएस (कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी) के बैठक कर रहे थे। इसके बाद सीआरएस निरीक्षण के लिए 24 दो तारीखें तय हुई हैं।

लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन बदला

इनमें से किसी एक तारीख पर निरीक्षण किया जाएगा। इसके पहले 17 दिन के लिए इंदौर-महू रेलखंड को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। ऐसे में सात या 10

मई से 15 दिन महू-इंदौर के बीच ट्रेनों का संचालन पूरी तरह से बंद हो जाएगा। महू से चलने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन इंदौर और लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। निर्माण विभाग से जुड़े एक अफसर ने बताया कि राऊ-महू दोहरीकरण और महू - पातालपानी ब्रॉडगेज लाइन का काम करीब पूरा हो चुका है। महू रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म-1 और चार पर पटरियां भी बिछ चुकी हैं, इसलिए महू स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग का काम किया जाएगा। इसमें अतिरिक्त लाइन को हटाना, सिग्नलिंग, नए लाइन को जोड़ना आदि काम किए जाएंगे।

काम को पूरा करने में 15 दिन का समय लेगा

मतदान के चलते 13 मई को काम बंद रहेगा। इस मेगा ब्लॉक के चलते महू से वर्तमान में चल रही मालवा एक्सप्रेस, कामाख्या एक्सप्रेस, यशवंतपुर, प्रयागराज और रीवा एक्सप्रेस को इंदौर या उज्जैन से चलाया जाएगा, वहीं महू - भोपाल इंटरसिटी को इंदौर से चलाया जाएगा। महू से रतलाम के लिए चल रही डेमू ट्रेन को भी इंदौर में ही शार्ट टर्मिनेट कर दिया जाएगा।

मध्य प्रदेश में दो चरणों में कम मतदान से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चिंतित, अब अपने हाथ में ली कमान

सिटी चीफ इंदौर।

मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दो चरणों का मतदान बेहद निराश करने वाला रहा। 19 अप्रैल को पहले चरण में छह लोकसभा सीटों पर 2019 की तुलना में करीब सात प्रतिशत कम मतदान हुआ, वहीं 26 अप्रैल को हुए दूसरे चरण में भी छह सीटों पर 7.65 प्रतिशत कम रहा। दोनों चरणों की 12 सीटों पर औसत सात प्रतिशत कम मतदान हुआ है। मतदान प्रतिशत घटने से राजनीतिक दलों के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी चिंतित है। अभी तक इस चुनाव में सीधे तौर पर भागीदारी से बच रहा संघ परिवार अब पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। प्रदेश में तीसरे और चौथे चरण में 17 सीटों पर मतदान अभी बाकी है। इन दो चरणों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए संघ ने कमर कस ली है। संघ ने सभी प्रत्याशियों के साथ ही विधायकों, मंत्रियों और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि न तो मतदान प्रतिशत कम होना चाहिए और न ही पिछले चुनाव से वोटों की बढ़त कम होनी चाहिए। संघ का मूल काम ही जनजागरण है। इस चुनाव में भी संघ मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जनजागरण कर रहा है। संघ ने अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए अनुषांगिक संगठनों को भी जिम्मेदारी सौंपी है। संघ ने लोकसभा चुनावों में अप्रत्यक्ष तौर पर हस्तक्षेप तो प्रभारियों की नियुक्ति के साथ ही शुरू कर दिया था। इंदौर की बात करें तो यहां पर राज्यसभा सदस्य सुमेर सिंह सोलंकी को लोकसभा क्षेत्र प्रभारी बनाया गया है।

अपने साहस से समाज की आंखें खोलने आए नेत्रहीन श्रीकांत, प्रमोशन के लिए इंदौर आए राजकुमार राव

सिटी चीफ इंदौर।

मेरे लिए नेत्रहीन का किरदार निभाना आसान नहीं था। इससे पहले मैंने यह किरदार कभी किया भी नहीं था। आसपास ऐसा रेफरेंस भी नहीं था, जिससे आसानी हो। इसलिए श्रीकांत के किरदार के रूप में नेत्रहीन होकर अभिनय करने के लिए काफी होमवर्क करना पड़ा। कई सारे ब्लाइंड स्कूलों में जाकर बचों और लोगों से मिला। उनके साथ बहुत समय बिताया, बहुत सारे वीडियो बनाए ताकि बाद में उन्हें देख सकें और समझ सकें कि उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी होती है। चूंकि श्रीकांत फिल्म बायोपिक है, इसलिए श्रीकांत के साथ भी काफी समय बिताया। उनकी जिंदगी की असलियत को दिखाना, नेत्रहीन लड़के की कहानी दिखाना काफी मुश्किल था। मगर अब संतुष्टि है कि हम कहानी को अछी तरह कह सके हैं। ये बातें प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राजकुमार राव ने नईदुनिया से विशेष बातचीत में कहीं। वे 10 मई को आ रही अपनी फिल्म श्रीकांत = आ रहा है सबकी आंखें खोलने के प्रमोशन के लिए बुधवार को इंदौर आए थे। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में मैं अंदर की आंखों से बाहर का अंधेरा मिटाने आ रहा हूं।

एक नेत्रहीन उद्यमी के संघर्ष व सफलता की है कहानी

राजकुमार ने बताया कि श्रीकांत दरअसल एक बायोपिक फिल्म है, जिसमें नेत्रहीन उद्यमी श्रीकांत के संघर्ष और सफलता की कहानी दिखाई गई है। जब राव से पूछा गया कि फिल्म का कौन-सा सीन सबसे चुनौतीपूर्ण था, तो वे बोले- कोई एक सीन नहीं बल्कि पूरी फिल्म ही बहुत चुनौतीपूर्ण रही। शुरू से अंत तक अपनी नेत्रहीन दिव्यांगता को मेंटेंन रखना बहुत मुश्किल था। जब कोई शारीरिक चैलेंज वाला किरदार आता है, तो उसे इतने समय तक निरंतरता में बनाए रखना काफी मुश्किल है। एक अन्य सवाल पर उन्होंने बताया कि मेरे परिवार का उपनाम यादव है, और मैं राजकुमार प्रयोग करता था। हरियाणा में यादवों को राव का टाइटल दिया जाता है। लोगों को असमंजस न हो इसके लिए

मैंने राव सरनेम का प्रयोग शुरू कर दिया और हो गया राजकुमार राव।

ओटीटी ने दिया प्रतिभाओं को मौका

एक साक्षात्कार में अभिनेता राव ने कहा था कि शुरुआती समय में उन्हें आउटसाइडर होने की वजह से काम नहीं मिलता था। वर्तमान स्थिति के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि फिलहाल तो ओटीटी की वजह से कई नए कलाकारों को मौके मिल रहे हैं। जयदीप (अहलावत) मेरा सहपाठी है, वह पहले भी किरदार कर रहा था, लेकिन पाताल लोक वेब सीरिज से उसकी जबरदस्त पहचान बनी है। प्रतिभावान कलाकारों के लिए अब पहले से कई यादा मौके हैं, उसका बहुत बड़ा श्रेय ओटीटी प्लेटफार्म को जाता है।

कोविड की वजह से हालीवुड पर नहीं दे पाया ध्यान

वर्ष 2021 में एकमात्र हॉलीवुड मूवी द व्हाइट टाइगर आई थी। हालीवुड में करियर के बारे में पूछने पर अभिनेता राव ने बताया कि तब कोरोना काल चल रहा था। हालीवुड में मूवी के लिए मुझे ऐलिस जाना था, कई बैठकें करनी थीं, लेकिन कोविड-19 की वजह से जाना नहीं हो पाया। इसके बाद फिर बालीवुड में ही फिल्मों का काम शुरू हो गया, तो यहां इतनी व्यस्तता है कि वहां जाना हो ही नहीं पा रहा। हां, अगर कोई अछा मौका आएगा तो जरूर हालीवुड फिल्में करूंगा।

तैयार होकर ही आएं मुंबई

नए लोगों को फिल्मों में आने के लिए राव ने सलाह दी कि थिएटर करें। कई अछे फिल्म स्कूल हैं, उनमें पढ़ाई कर सकते हैं। जब भी मुंबई आएं, तो तैयार होकर ही आएं। बहुत कम ऐसा होता है कि किसी में अभिनय ईश्वर प्रदत्त हो। अभिनय को अभ्यास से साधना पड़ता है। किसी भी चीज को आप करना चाहते हैं, तो पूरे पैशन से करें, मेहनत से करें। दिल से चाहते हैं और मेहनत के लिए तैयार हैं, तो मुंबई में स्वागत है।

शिक्षा महत्वपूर्ण, सभी को मिले अधिकार

फिल्म श्रीकांत के असल व्यक्ति श्रीकांत को नेत्रहीन होने की वजह से आईआईटी की कोचिंग में दाखिला नहीं मिला था, तब उन्होंने भारत की शिक्षा प्रणाली पर केस कर दिया था। इसके बाद उन्हें अमेरिका के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में दाखिला मिला। असल जिंदगी में शिक्षा के स्तर पर जब अभिनेता राजकुमार से सवाल पूछा गया था, तो उन्होंने कहा कि पढ़ाई खत्म किए मुझे काफी वक्त हो गया है। अब बहुत सारे बोर्ड आ गए हैं। मैं सीबीएसई से पढ़ा था। तब इतने बोर्ड नहीं हुआ करते थे। किंतु सच यही है कि जिंदगी में शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है, सभी को शिक्षा का अधिकार होना ही चाहिए।

प्लास्टिक सर्जरी के सवाल से किया किनारा

फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह की चर्चा होती रहती है कि अभिनेता राजकुमार राव ने चेहरे पर प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। कुछ इसे सही तो कुछ अफवाह बताते हैं। हालांकि राव ने भी इसे लेकर अपने वायरल हुए एक फोटो के बारे में एक साक्षात्कार में कहा था कि वह फोटो एडिटेट है। परंतु नईदुनिया ने जब उनसे प्लास्टिक सर्जरी पर सवाल किया तो वह किनारा करते नजर आए।

छात्रावास में 8 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का मामला

मां का आरोप-एसआई को स्कूल संचालक ने सौदेबाजी के लिए भेजा

सिटी चीफ भोपाल

राजधानी में आठ वर्षीय मासूम से दुष्कर्म के मामले में पीड़ि?ता की मां ने अरेरा हिल्स थाने के सब इंस्पेक्टर (एसआई) प्रकाश राजपूत पर गंभीर आरोप लगाया है। महिला ने कहना है कि स्कूल संचालक ने उसे सौदेबाजी के लिए भेजा था।जबकि एसआइ महिला का परिचित बताया जा रहा है। वह ही बच्ची का प्रवेश कराने के लिए ज्ञानगंगा स्कूल पहुंचा था। मिसरोद थाने में तैनाती के दौरान से वह स्कूल प्रबंधन से परिचित रहा है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी देर रात तक मिसरोद थाने में मौजूद रहे और आरोपितों की पहचान की कोशिश कर रहे थे, पुलिस को सीसीटीवी के फुटेज से कोई सुराग नहीं मिल पाया है।इधर,पुलिस उपायुक्त श्रृदा तिवारी ने रेप की पुष्टि की बात जरूर कही और कहा कि शिकायत की एक बात को चेक किया जा रहा है।

बच्ची के सामने सभी को लाना चाहिए

मासूम बच्ची की मां जब कोर्ट में बच्ची के 164 के बयान दिलवाने के दौरान साथ में थी। उस समय पत्रकारोंसे बातचीत के दौरान

महिला ने कहा कि पुलिस को हमारी ओर से सीधी शिकायत आरोपित के नाम लेकर की गई है तो पुलिस ने मामले अज्ञात आरोपित पर एफआइआर क्यों कि? यह बात मेरी समझ में नहीं आया हैं । यह बात पुलिस के आला अधिकारियों को समझनी चाहिए। पुलिस को सभी आरोपितों के बेटी के सामने लाना चाहिए। मेरी बेटी उनको पहचान लेगी। अगर आरोपित भाग जाता है तो पुलिस इसके लिए जिम्मेदार होगी। मैंने एफआइआर कराने के लिए कभी मना नहीं किया है। सोमवार देर रात कर ली और पुलिस ने जो लिखवाए , वह मैंने लिखकर दे दिया।

वार्डन ने बयान दृह्यड्ड कहा , बच्चियों के साथ ही सोती हूं

पुलिस ने वार्डन से इस मामले में पूछताछ की तो उसने साफ कहा कि वह बच्चियों के साथ ही सोती है। एक कमरें में चार बच्चियां रहती है। इसके अलावा उसने इस प्रकार की घटना से इनकार किया है।वहीं इस मामले के दो संदेहियों से पुलिस संपर्क किया तो उनके मोबाइल बंद मिले हैं।

जितने मुंह उतनी बातें

महिला ने उन आरोप पर बात की , जिसमें उन पर कई लोगों को परेशान करने के आरोप पर कहा है कि जितने मुंह उतनी बातें हैं। कोई कुछ भी कहता रहे, मेरी बेटी के साथ गलत हुआ है। वह बेटी को इंसाफ दिलाकर रहेगी।इसलिए वह इन बातों पर ध्यान नहीं देना चाहती हूं।

मां का आरोप एसआइ को स्कूल संचालक ने भेजा

बच्ची की मां ने बताया कि अस्पताल से ही पुलिस को सूचना दी गई।तब एसआइ प्रकाश राजपूत अस्पताल आया। उसने कहा कि मुझे मोदी साहब ने भेजा है। यह सब क्या लगा रखा है, बच्ची को लेकर चलो। शिकायत दर्ज मत कराओ, इसके एवज में तुम्हें रकम दिला दूंगा। यह 29 अप्रैल की रात की बात है, तब पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज नहीं की थी। अगले दिन मंगलवार की शाम को दोबारा थाने पहुंची, वहां बैठी रही तब केस दर्ज किया गया।एसआइ प्रकाश हमारा परिचित है।उसके लाइन हाजिर होने की खबरें देर रात चलती रही,लेकिन पुलिस कमिश्नरी से ऐसा कोई आदेश नहीं निकला।

श्रीमंत की छवि तोड़कर केसरिया रंग में रंगे ज्योतिरादित्य सिंधिया

सिटी चीफ भोपाल

केसरिया रंग के साथ रगों में दौड़ती राजशाही का तालमेल यानी ज्योतिरादित्य सिंधिया की नई पहचान, जो उन्हें जनता के करीब पहुंचा रही है, वहीं लोकप्रियता के नए आयाम स्थापित कर रही है। यह बदलाव सिंधिया की 'श्रीमंत' की छवि से अलग भाजपा के केसरिया रंग को भी गहरा कर रही है। ज्योतिरादित्य चार वर्ष पहले तक कांग्रेस में अपने पिता स्वर्गीय माधवराव सिंधिया की सियासी व शाही विरासत के साथ आगे बढ़ रहे थे, तब गाहे-बगाहे श्रीमंत की छवि अपना अलग प्रभाव रखती थी, लेकिन 2020 में भाजपा में शामिल होने के बाद से वह लगातार केसरिया रंग में रंगे हुए हैं।

लोकसभा चुनाव में गुना-शिवपुरी संसदीय सीट से भाजपा के प्रत्याशी बनने के साथ ही यह केसरिया रंग जनता से जुड़ाव का जनता के लिए सबसे आसान माध्यम बन गया है। सिंधिया बतौर कांग्रेस प्रत्याशी पिछला लोस चुनाव इसी सीट से भाजपा के केपी सिंह यादव से हार गए थे। उन्होंने हार की वजह तत्कालीन मुख्यमंत्री कमल नाथ एवं दिग्विजय सिंह के खेमों को मानते हुए कांग्रेस से अलग होने का मन बना लिया था। भाजपा में वह 'श्रीमंत' की छवि तोड़कर कार्यकर्ता की छवि गढ़ने में सफल रहे हैं।

सिंधिया परिवार ही जीतता रहा

वर्ष 2019 का चुनाव छोड़ गुना-शिवपुरी सीट से सिंधिया परिवार या उनका समर्थक ही जीतता रहा है। प्रियंका गांधी वाड्रा व राहुल गांधी की इच्छा सिंधिया को हराने की बताई जाती है, लेकिन अब तक कांग्रेस का कोई बड़ा नेता यहां नहीं आया है। ज्योतिरादित्य को कांग्रेस छोड़े चार वर्ष हो गए, पर कांग्रेस उन्हें भूल नहीं सकी है। राहुल-प्रियंका से उनकी करीबी भी जगजाहिर रही है। युवा नेताओं की कमी से जुझ रही कांग्रेस को सिंधिया के भाजपा में जाने के बाद से उपचुनाव 2020, 2023 में विस में पराजय का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि सिंधिया को लेकर कांग्रेस की बेचैनी बार-बार सामने आती रहती है।

अपने दम पर चुनौती दे रहे यादव

विस चुनाव के पहले जोर-शोर से भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए राव यादवेंद्र सिंह यादव को पार्टी ने लोस चुनाव में गुना सीट से फिर मौका दिया है। दरअसल, 2019 में यहां से कांग्रेस छोड़कर भाजपा गए केपी सिंह यादव ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को हराया था। अब सिंधिया भाजपा से चुनाव मैदान में हैं तो कांग्रेस ने यादव प्रत्याशी मैदान में उतारा है। वह अकेले ही सिंधिया को चुनौती दे रहे हैं। दोनों प्रमुख दल अब प्रचार के लिए दिग्गजों को बुलाने की तैयारी कर रहे हैं।

बात ही नहीं, भोजन भी करते साथ

सिंधिया ने भाजपा के साथ आरएसएस में भी पैठ बना ली है। भाजपा के नेता भी मानते हैं कि सिंधिया अब पार्टी का भविष्य हैं। सिंधिया अनुसूचित जाति के लोगों को स्वयं भोजन परोसाते ही नहीं हैं, बल्कि साथ बैठकर भोजन भी करते हैं। प्रचार के दौरान वह किसानों से उनकी समस्या के बारे में भी पूछताछ करते हैं। प्रचार के दौरान उनके अलग-अलग रूप देखने को मिल रहे हैं। बुजुर्ग महिलाओं को गले लगाते हैं। महल का प्रभाव होने के कारण आम लोग अब भी सिंधिया के प्रति महाराजा वाला भाव ही रखते हैं और उनके पैर छूने का प्रयास करते हैं, जबकि सिंधिया लोगों को गले लगाते हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं को तवज्जो दे रहे हैं।

इसलिए आसानी से अपनाई विचारधारा

सिंधिया के दादा जीवाजी राव का रुझान भी कांग्रेस के बजाय हिंदू महासभा की तरफ था और दादी राजमाता विजयाराजे सिंधिया तो जनसंघ में सक्रिय रहकर भाजपा के संस्थापकों में से एक रही हैं। यही वजह है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया को विचारधारा अपनाने में परेशानी नहीं आई।

कांग्रेस प्रत्याशी को अखिलेश मिले ना तेजस्वी राहुल-प्रियंका का भी नहीं मिला साथ

सिटी चीफ भोपाल

गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र में भाजपा की ओर से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मैदान में हैं। वह और उनका पूरा परिवार प्रचार में तो उतरा ही हुआ है, साथ ही उनके पीछे पार्टी भी मजबूती से खड़ी हुई है। क्षेत्र में मुख्यमंत्री मोहन यादव आधा दर्जन से अधिक सभाएं कर चुके हैं। स्टार प्रचारक और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं उमा भारती तक की सभाएं हो चुकी हैं लेकिन प्रचार के मामले में कांग्रेस की स्थिति कुछ अलग नजर आ रही है। कांग्रेस प्रत्याशी यादवेंद्र यादव को टिकट देते समय दावा किया गया कि क्षेत्र से सामाजिक समीकरण साधे गए हैं और यह सिंधिया को उनके गढ़ में घेरने वाला मास्टर स्ट्रोक साबित होगा, लेकिन टिकट वितरण के बाद से सिंधिया के विरुद्ध कांग्रेस की ओर से प्रचार का आक्रमक अंदाज अभी नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में, यादवेंद्र यादव अकेले ही अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरे हुए हैं। वह अपनी जीत के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। इसके लिए हर दिन सुबह से ही गांव-गांव चुनाव प्रचार शुरू कर देते हैं और देर रात तक मतदाताओं से वोट मांगते हैं। भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर वह मतदाताओं के बीच चर्चा करते हैं। किसानों की दिक्कतों पर बात करते हैं।

स्थानीय नेताओं का साथ, स्टार प्रचारक गायब

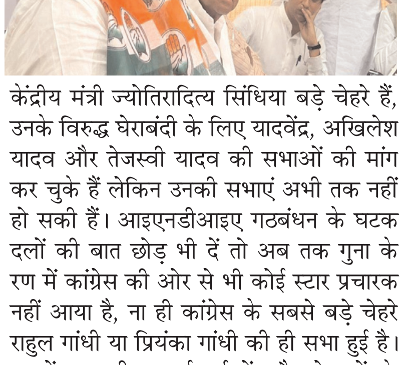

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बड़े चेहरे हैं, उनके विरुद्ध घेराबंदी के लिए यादवेंद्र, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव की सभाओं की मांग कर चुके हैं लेकिन उनकी सभाएं अभी तक नहीं हो सकी हैं। आइएनडीआइए गठबंधन के घटक दलों की बात छोड़ भी दें तो अब तक गुना के रण में कांग्रेस की ओर से भी कोई स्टार प्रचारक नहीं आया है, ना ही कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरे राहुल गांधी या प्रियंका गांधी की ही सभा हुई है। यादवेंद्र स्थानीय कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ तो जमकर किला लड़ा रहे हैं लेकिन कार्यकर्ता उहापोह में है वहीं क्षेत्र में यह सवाल भी उठ रहे हैं कि क्या राहुल और प्रियंका अपने पुराने साथी सिंधिया के गढ़ में उनके विरुद्ध सभा नहीं करना चाहते हैं।

जयवर्द्धन बना रहे रणनीति

कांग्रेस की ओर यादवेंद्र यादव को क्षेत्र में सबसे ज्यादा साथ जयवर्द्धन सिंह का मिल रहा है। राघौगढ़ के किले और ग्वालियर महल के बीच पटरी शुरू से नहीं बैठी। इसी क्रम में दिग्विजय सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच अदावत किसी से छुपी नहीं है। एक ही पार्टी में होने के चलते कभी-कभी मंच साझा करना पड़ता था लेकिन ज्योतिरादित्य के भाजपा में चले जाने के बाद यह मजबूरी भी नहीं रही है। राजनीति के जानकार और खुद ज्योतिरादित्य यह मानते रहे हैं कि 2019 में उनकी हार के पीछे किले का भी हाथ था। लेकिन इस बार दिग्विजय सिंह खुद राजगढ़ से लोकसभा चुनावो के मैदान में है लेकिन उनके पुत्र और राघौगढ़ विधायक जयवर्द्धन सिंह गुना-शिवपुरी सीट के प्रभारी है। जयवर्द्धन शिवपुरी में ही डेरा डाले हुए हैं और यादवेंद्र के चुनाव की रणनीति ही तय कर रहे हैं साथ ही इलाके में कई चुनावी सभाएं भी कर चुके हैं। इधर पांच मई को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की सभा तय हो गई है इस बीच अखिलेश, तेजस्वी या गांधी परिवार से एक सभा मिल जाने की उम्मीद भी यादवेंद्र कर रहे हैं, जो आखिरी दौर में कांग्रेस को चुनावी मैच में बड़े स्कोर की ओर ले जाने में मदद कर सकती हैं। यादवेंद्र सिंह यादव बताते हैं, हमने क्षेत्र में अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव की सभाएं मांगी हैं, साथ ही पार्टी से राहुल गांधी, प्रियंका गांधी की सभाओं की भी मांग की है। बड़े नेताओं के ऊपर देश भर की जिम्मेदारी है वे तूफानी सभाएं कर रहे हैं, इसलिए अभी तक सभा नहीं मिल सकी है।

टी20 विश्वकप में भोपाल के दो खिलाड़ी दिखाएंगे जलवा, ओमान टीम से खेलेंगे

सिटी चीफ भोपाल

शहर के दो युवा क्रिकेटर भी एक जून से होने वाले टी-20 विश्वकप में खेलते नजर आएंगे। हालांकि वह भारतीय टीम की ओर से नहीं खेलेंगे, बल्कि ओमान देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। ओमान ने टी-20 विश्वकप के लिए मंगलवार को अपनी टीम घोषित की है। इसमें शहर में जन्मे अयान खान को एक हरफनमौला खिलाड़ी के रूप में टीम में चुना गया है। जबकि समय श्रीवास्तव को रिजर्व प्लेयर के रूप में टीम में जगह है। यह दोनों ही खिलाड़ी शहर की अंकुर क्रिकेट अकादमी प्रशिक्षण लेते रहे हैं।

इनके कोच ज्योतिप्रकाश त्यागी ने बताया कि दोनों ही खिलाड़ियों में गजब की प्रतिभा रही है। लेकिन भारत के लिए ज्यादा मौके नहीं मिलने के चलते वह पिछले तीन-

Ayan Khan

Samay Shrivastava

चार वर्षों से ओमान में रह रहे हैं। साथ ही ओमान क्रिकेट के लिए भी खेल रहे हैं। अयान मोहम्मद खान ने मप्र के लिए अंडर-19, 23 एवं मुश्ताक अली, विजय हजारे ट्राफी खेली है। इसके बाद ओमान चले गए। अयान का यह दूसरा विश्वकप होगा। उन्होंने ओमान के लिए पिछला विश्वकप भी खेला था। वहीं उनके साथी क्रिकेटर समय श्रीवास्तव भी टीम में सुरक्षित खिलाड़ी के रूप में शामिल किए गए हैं। समय ने मप्र के लिए अंडर-15, 19, 23 वर्ग की क्रिकेट खेली है। साथ ही विश्वविद्यालय स्तर की विजि ट्राफी में अपने खेल का प्रदर्शन किया है।

स्कूली छात्र ने वन विहार में तीन माह के लिए भालू मैक्स को लिया गोद

सिटी चीफ भोपाल

शहर के एक स्कूली छात्र ने वन विहार के एक भालू को गोद लिया है। उन्होंने भालू के खान-पान, स्वास्थ्य और अन्य देखभाल के खर्चे के रूप में 25 हजार का चेक अधिकारियों को दिया है। दरअसल, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में वन्यप्राणी अंगीकरण योजना एक जनवरी 2009 को शुरू की गई थी। इस योजना अंतर्गत इंदौर निवासी मास्टर विवान जोशी ने पर्यावरण तथा वन्यप्राणियों के संरक्षण के प्रति प्रेम की ओर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए नर गालू मैक्स को मंगलवार को तीन माह के लिए गोद लिया। विवान जोशी कक्षा नौवी के छात्र हैं, जिनके द्वारा वन विहार में पहली बार भालू को गोद लिया गया है।

विवान जोशी द्वारा वन विहार के संचालक अवधेश मीना को अंगीकरण के लिए आवश्यक राशि 25000 रुपये चैक के माध्यम से प्रदान की गई। वन विहार के संचालक द्वारा विवान जोशी को नर भालू मैक्स के अंगीकरण का प्रमाण पत्र भी दिया गया। वन्यप्राणियों की गोद लेने की यह योजना जन-जन में

वन्यप्राणियों के संरक्षण के प्रति सद्भावना के लिए शुरू की गई है। इसमें व्यक्तिगत, संस्था, कारपोरेट सेक्टर, मप्र शासन के उपक्रम, पब्लिक सेक्टर आदि समुदाय के विभिन्न वर्गों की भागीदारी योजना को सही आयाम प्रदान करती है।

अब तक 95 वन्यप्राणियों को लिया गया गोद

असिस्टेंट डायरेक्टर वन विहार सुनील सिन्हा ने बताया कि कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था वन विहार के सूची में दर्शित किसी भी वन्यप्राणी को मासिक, त्रैमासिक, अर्धवार्षिक एवं वार्षिक आधार पर गोद ले सकता है। इसके लिए उन्हें नियत राशि मप्र टाइगर फाउंडेशन सोसायटी के नाम भोपाल में देय चैक अथवा बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा कर निर्धारित प्रारूप पर आवेदन करना होती है। गोद लेने के लिए भुगतान की गई राशि आयकर की धारा 80 जी (एस) के प्रविधान के अंतर्गत छूट के दायरे में भी आती है। सम्बंधित को प्रति सप्ताह अधिकतम छह सदस्यों को एक वाहन के साथ निश्शुल्क प्रवेश की सुविधा प्रदान की जाती है। सम्बंधित के नाम की पट्टिका गोद लिए गए वन्यप्राणी के बाड़े के समक्ष एवं दोनों प्रवेश द्वारों पर प्रदर्शन के लिए लगाई जाती है। इस योजना से 95 वन्यप्राणियों को गोद लिया जा चुका है, जिससे वन विहार को आज तक रुपये 78,72,180 रुपये की आय हो चुकी है।

इंटरलॉकिंग कार्य के कारण भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस सहित दस ट्रेनें निरस्त

सिटी चीफ भोपाल

पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर मंडल के कटनी-बीना रेलखंड के असलाना स्टेशन पर तीसरी रेल लाइन पर नान इंटरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। जिसके कारण रेलवे ने 10 यात्री ट्रेनों को निरस्त करने का निर्णय लिया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा 139 से ट्रेन की सही स्थिति की जानकारी पता करके ही यात्रा प्रारंभ करें। ट्रेन 01885 बीना-दमोह पैसेंजर 10 जून से 20 जून तक एवं ट्रेन 01886 दमोह-बीना पैसेंजर 11 जून से 21 जून तक निरस्त रहेगी।

ट्रेन 06603 बीना-कटनी मुडवारा मेमू 10 जून से 20 जून तक एवं ट्रेन 06604 कटनी मुडवारा-बीना मेमू दिनांक 10 जून से 20 जून तक निरस्त रहेगी।

ट्रेन 11272 भोपाल-इटारसी विंध्याचल एक्सप्रेस 10 जून से 20 जून तक एवं ट्रेन 11271 इटारसी-भोपाल विंध्याचल एक्सप्रेस 10 जून से 20 जून तक निरस्त रहेगी।

ट्रेन 22161 भोपाल-दमोह राज्यरानी एक्सप्रेस 10 जून से 20 जून तक एवं ट्रेन 22162 दमोह-भोपाल राज्यरानी एक्सप्रेस 11 जून से 21 जून तक निरस्त रहेगी।

ट्रेन 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस 09 जून से 19 जून तक एवं ट्रेन 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस 11 जून से 21 जून तक निरस्त रहेगी।

आमने-सामने लूटने वाले डकैत कम हुए तो घर बैठे लूट रहे साइबर डकैत

सिटी चीफ भोपाल

दो दशक भी नहीं बीते जब चंबल के बीहड़ों में डकैतों का कब्जा था। डकैत गिरोह किसी भी गांव, घर पर धावा बोलते और बंदूक के जोर पर रुपये-जेवरात लूट ले जाते। उनके अपराध के किस्से देश भर में फैले तो सरकार बदनाम हुईं। कानून व्यवस्था पर लगातार सवाल उठे तो बैचेन सरकारों ने डकैतों को खत्म करने के लिए आत्मसमर्पण की योजनाएं बनाईं, पुलिस के विशेष दस्ते गठित किए।दशकों की कवायद के बाद डकैतों से तो मुक्ति मिल गई लेकिन अब तकनीकी के दौर में डकैती का स्वरूप भी बदल गया है। आमने-सामने घेरकर लूटने वाले डकैतों के बाद साइबर डकैत सक्रिय हैं, जिन्हें वर्चुअल दुनिया में पकड़ना मुश्किल भरा है। पिछले एक दशक में इंटरनेट क्रांति के साथ यह समस्या विकराल हो चुकी है। साइबर ठग सैकड़ों हजारों किलोमीटर दूर से आमजनों के घर, उनके बैंक एकाउंट में घुसकर मेहनत की गाढ़ी कमाई लूट रहे हैं। इनसे पीड़ित कई परिवारों ने पत्र लिखकर सामूहिक आत्महत्या कर ली और कुछ खामोश मौत मर गए, लेकिन साइबर डकैतों की यह समस्या राज्य में, देश में कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं बन पाई। साइबर ठगी, बैंकिंग फ्रांड को रोकने के लिए सरकार जिम्मेदारी से भागती रही है, उनसे सवाल भी नहीं पूछा जा रहा जबकि साइबर ठगी जनता का बड़ा मुद्दा है। साइबर के लोन ठगी के कारण कोलार में पूरा परिवार खुदकुशी कर जान दे चुका है, इसके अलावा कोलार और गोविंदपुरा में दो छात्र अपनी जान गंवा चुके हैं। भोपालियों के खातों से हर दिन छह लाख रुपये साइबर ठग उड़ा देते हैं। इनके जाल में उलझकर इस साल अभी तक शहरवासी 22 करोड़ रुपये गंवा चुके हैं। हालांकि 5785 शिकायतों के बाद साइबर क्राइम पुलिस ने 99 लाख रुपये होल्ड कर लिए हैं। बता दें कि साइबर क्राइम के पास जनवरी से 15 दिसंबर 2023 तक 5785 शिकायतें पहुंची हैं। इनमें भोपाल के रहने वाले लोगों ने करीब 22.62 करोड़ रुपये खाते से धोखे से निकालने की बात कही है। इस लिहाज से हर माह करीब 1.96 करोड़ की राशि साइबर ठगों ने भोपालियों के खातों से निकाले हैं, जबकि 2024 में जनवरी से अभी तक 1167 शिकायत पहुंची हैं, इनमें छह करोड़ 49 लाख 82 हजार 318 रुपये गंवा चुके हैं।

साम्पदकीय

यौन शोषण का जन-सेवक

जहां औरतों को पूजा जाता है, वहीं देवता वास करते हैं। यह भी भूल जाना चाहिए कि महिलाओं को पंचायत, स्थानीय निकायों, विधानसभा और संसद में 33 फीसदी आरक्षण देने से उनका दर्जा बढ़ेगा और वे पुरुष के समकक्ष होती जाएंगी। इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए, क्योंकि इस अश्लील संदर्भ से साबित होता है कि घर की सेविकाएं भी उपभोग की वस्तु हैं।

प्रथमद्रष्ट्या जेहन में सवाल उठता है कि वह इनसान है या भेड़िया अथवा कोई वहशी जानवर है? हालांकि अभी आरोप हैं। यही कानून की अधूरी भाषा है, लेकिन क्या सभी 2976 वीडियो फर्जी, संपादित हो सकते हैं? ये वीडियो एक पेन ड्राइव में उपलब्ध हैं। जिन महिलाओं का यौन-शोषण किया गया है या मानसिकता अश्लील थी, वे सभी घर की सेविकाएं थीं। यानी घर के भीतर ही दुराचार, जघन्य अपराध किया जाता रहा। ये हरकतें अक्षम्य हैं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा के चेहरे और चिर संचित प्रतिष्ठा पर भी कालिख पोत दी गई है, क्योंकि उनका बड़ा बेटा एच.डी. रेवन्ना और पौत्र प्रज्ज्वल रेवन्ना दोनों पर ही पाशविकता का कलंक लगा है। दोनों ही जन-प्रतिनिधि हैं। प्रज्ज्वल ने तो जद-एस और भाजपा के साझा उम्मीदवार के तौर पर कर्नाटक की हासन सीट से चुनाव लड़ा है। बीती 26 अप्रैल को मतदान हुआ और 27 अप्रैल को भगोड़े की तरह जर्मनी चले जाना, यह साफ दशार्ता है कि वह अपराधी, बलात्कारी, यौन-शोषक के किरदार में है। यदि वह सिर्फ आरोपित होता, तो यहीं रहकर उसे कानूनी लड़ाई लड़नी चाहिए थी। सवाल कर्नाटक राज्य की कांग्रेस सरकार पर भी है कि जब यौन-शोषण के अश्लील वीडियो सार्वजनिक हो चुके थे, तो प्रज्ज्वल को हिरासत में लेकर पूछताछ क्यों नहीं की गई? उसे तब तक हिरासत में रखा जाना चाहिए था, जब तक अधिकतर पीड़िताओं के पक्ष दर्ज नहीं होते। ऐसा लगता है कि सभी राजनेता और दल एक-दूसरे के कवच हैं। कमोबेश ऐसे मामलों में आपस में रक्षा करते हैं! चूंकि निवर्तमान सांसद प्रज्ज्वल जर्मनी भाग गया है, तो विशेष जांच दल की पड़ताल भी अधूरी रहेगी। लगातार सवाल उठते रहेंगे कि विदेश भागने में किसने मदद की? भाजपा की तरफ ही उंगली उठती रहेगी। दरअसल ये शर्मनाक पल भाजपा-जद (एस) दोनों के लिए हैं, क्योंकि उनके नेतृत्व को दिसंबर, 2023 से ही जानकारी थी कि प्रज्ज्वल के अश्लील वीडियो कांग्रेस के हाथों में पहुंच चुके हैं और वह उन्हें ब्रह्मास्त्र की तरह इस्तेमाल कर सकती है। बताया जा रहा है कि प्रज्ज्वल ने कुल 200 महिलाओं का यौन-शोषण किया और खुद ही वीडियो शूट करता रहा। कितना मनोविकारी लगता है वह! उसकी हरकतें कितनी खौफनाक और आपत्तिजनक रही होंगी कि सेविकाएं उसे देखकर घर के स्टोर रूम में छिप जाती थीं! यह देवगौड़ा परिवार का घर था अथवा कोई जबरन हरम था! बहरहाल नेताओं में यौन-उत्पीड़न का एक और मामला सार्वजनिक हुआ है, तो वह न्यायिक निष्कर्ष तक पहुंचना चाहिए। प्रथमद्रष्ट्या सब कुछ प्रज्ज्वल और उसके पिता रेवन्ना की काली करतूतों पर ही केंद्रित है। भारत सरकार ने तीन महत्वपूर्ण कानूनों में जो संशोधन कर एक नई न्याय प्रणाली बनाई है, तो उसी के तहत, अपराध के मुताबिक, दंडात्मक कार्रवाई भी की जानी चाहिए। लीपापोती और टालने की कुछ भी गुंजाइश नहीं है। कर्नाटक महिला आयोग ने इसे सबसे बड़ा सैक्स स्कैंडल करार दिया है। अब संस्कृति और धर्म-शास्त्रों की दुहाई देना भी छोड़ देना चाहिए कि देश में महिलाओं को देवी का दर्जा प्राप्त है। उनके बिना कोई भी यज्ञ सम्पन्न नहीं हो सकता। जहां औरतों को पूजा जाता है, वहीं देवता वास करते हैं। यह भी भूल जाना चाहिए कि महिलाओं को पंचायत, स्थानीय निकायों, विधानसभा और संसद में 33 फीसदी आरक्षण देने से उनका दर्जा बढ़ेगा और वे पुरुष के समकक्ष होती जाएंगी। इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए, क्योंकि इस अश्लील संदर्भ से साबित होता है कि घर की सेविकाएं भी उपभोग की वस्तु हैं। बेशक आजादी के साढ़े 76 सालों के बाद आधी आबादी की स्थिति में बहुत सुधार भी हुआ है। महिलाएं आज लड़ाकू विमान की पायलट और अंतरिक्ष उपग्रहों की वैज्ञानिक भी हैं, लेकिन गिनती की हैं। समाज आज भी पितृसत्तात्मक है। बेशक महिला मतदाता पुरुषों के बराबर आने वाली हैं और उनके वोट के लिए राजनीतिक दल और नेतागण हाथ जोड़ते रहते हैं, लेकिन बंद दीवारों में आज भी वे असहाय और मजबूर हैं। यदि घर की सेविकाएं ही सुरक्षित नहीं हैं, तो फिर किस कामकाजी औरत को सुरक्षित माना जा सकता है।

पैसे और राजनीति का इश्क

जो नेता ईमानदार हैं और ईमानदारी से कार्य करते रहे हैं, उनके लिए राजनीति जनसेवा है, देशसेवा है। उदाहरण के लिए स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी, स्वर्गीय अटल जी इत्यादि जिनके ऊपर एक भी पैसे का दाग नहीं है। इन सबके अलावा आज और भी ऐसे ईमानदार नेता लोग हैं, लेकिन बहुत कम हैं। दरअसल, यह ध्यान में रखना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति के चुनकर आने का वास्तविक रहस्य समाज पर वैचारिक प्रभाव है।

कुछ मायनों में दिए गए कुछ तर्क ठीक हैं, लेकिन ध्यान रहे कि पांचों उंगलियां बराबर नहीं होती। यह सिर्फ भ्रष्ट नेताओं के संदर्भ में सही होगा। जो नेता ईमानदार हैं और ईमानदारी से कार्य करते रहे हैं, उनके लिए राजनीति जनसेवा है, देशसेवा है। उदाहरण के लिए स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी, स्वर्गीय अटल जी इत्यादि जिनके ऊपर एक भी पैसे का दाग नहीं है। इन सबके अलावा आज और भी ऐसे ईमानदार नेता लोग हैं, लेकिन बहुत कम हैं। दरअसल, यह ध्यान में रखना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति के चुनकर आने का वास्तविक रहस्य समाज पर वैचारिक प्रभाव है। जिन विचारों का समाज पर अधिक प्रभाव रहता है, उन विचारों को मानने वाले व्यक्ति चुनावों में जीतकर आते रहते हैं और सत्ता भी उसी विचार को मानने वाली पार्टी के पास जाती है चुनावी मौसम सुहावना हो रहा है, इस दिलकश माहौल में दौलत के तडके की संभावना का इंकार करना कठिन है। यूं भी राजनीति में पैसे का महत्व लगभग हमेशा से रहा है। बिरले ही बिना पैसे के मात्र अपने मेहनत, समाज सेवा, भाषण देने की कला के आधार पर सफल हुए। इस क्षेत्र में एजुकेशन का तो कोई महत्व नहीं है, हालांकि संविधान में सभी को बराबरी का हक है, लेकिन आज की राजनीति में जाति और धर्म का महत्व है जिससे जाति और धर्म के संख्याबल के आधार पर वोट बैंक की राजनीति हो सके। राजनीति और पैसे के इश्क की कहानी दिलचस्प है। चुनावी मौसम में अखबार, टीवी और होर्डिंग्स पर पार्टियों और प्रत्याशियों के विज्ञापनों की भरमार रहती है। लेकिन सवाल यह है कि इन पार्टियों के पास ये पैसा आखिर आता कहां से है? लेकिन कुछ महीने पहले एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें कहा गया कि देश की पांच राष्ट्रीय पॉलिटिकल पार्टियों को जो कुछ पैसा मिला, उसमें से 53 फीसदी रकम का स्त्रोत पता नहीं था। यानी ये अज्ञात स्त्रोतों से थी। पार्टियों की 36 फीसदी आय ज्ञात स्त्रोतों से आई थी और सिर्फ 11 फीसदी रकम ही मेंबरशिप फीस आदि से जुटाई गई। यानी पार्टियों के खजाने में बेनामी चंदे की भरमार है। चुनावी चंदे में पारदर्शिता के नाम पर व्यवस्था ने राजनीतिक चंदे की प्रक्रिया में तीन बड़े बदलाव किए। पहला, अब राजनीतिक पार्टियां विदेशी चंदा ले सकती हैं। दूसरा, कोई भी कंपनी कितनी भी रकम, किसी भी राजनीतिक पार्टी को चंदे के रूप में दे सकती है, और तीसरा, कोई भी व्यक्ति या कंपनी गुप्त रूप से चुनावी बॉन्ड के जरिए किसी पार्टी को चंदा दे सकती है।

हो सकता है पहले भी कुछ लोग राजनीति में सेवा के उद्देश्य से आते थे और आज भी कुछ लोग सेवा के उद्देश्य से ही आते होंगे, लेकिन पहले भी अधिकांश लोगों ने सेवा के नाम पर राजनीति का फायदा दौलत समेटने के लिए किया है, और आज तो लगभग सभी लोग, इक्के-दुक्के को छोडकर राजनीति को पैसा कमाने का जरिया बना चुके हैं। विदेशों में पॉलिटिकल फंडिंग के अपने दस्तूर हैं। अमरीका में अलग-अलग तरह के डोनर्स के लिए अलग-अलग लिमिट तय है। हालांकि थर्ड पार्टी पॉलिटिकल फंडिंग से जुड़े नियम ज्यादा सख्त नहीं हैं, लिहाजा बड़े पैमाने पर पैसा खर्च होता है। अमरीका में सिएटल के लोकल चुनावों में डेमोक्रेसी वाउचर का सिस्टम शुरू किया गया था। सरकार वोटरों को कुछ रकम के वाउचर देती है, जिसे वे अपनी पसंद के कैंडिडेट को चंदे में दे सकते हैं। ब्रिटेन में चंदे की कोई लिमिट नहीं है, लेकिन चुनाव खर्च की सीमा है। पार्टियां प्रति सीट 54 हजार पौंड (57.02 लाख रुपए) से अधिक नहीं खर्च कर सकतीं। यह सीमा पोलिंग डे से पहले के सालभर के दौरान हुए खर्च पर है। ब्रिटेन में किसी सिंगल सोर्स से कैलेंडर ईयर में 7500 पौंड (7.92 लाख रुपए) से ज्यादा रकम मिलने पर उसका खुलासा करना होता है। यूरोपियन यूनियन ने 2014 में यूरोप के राजनीतिक दलों की फंडिंग से जुड़े नियम बनाए थे। डोनेशन की लिमिट तय करने के साथ बड़ी रकम के खुलासे से जुड़े नियम बनाए थे। जर्मनी में पार्टियों को चुनाव लड़ने के लिए सरकार से पैसा मिलता है। पिछले चुनावों में मिले वोटों और पार्टी मेंबरशिप के आधार पर सरकारी फंडिंग होती है। जर्मनी में किसी सिंगल सोर्स से कैलेंडर ईयर में 10 हजार यूरो से अधिक रकम मिलने पर उसका खुलासा करना होता है। यह तो जगजाहिर हो चुका है कि देश में अधिकतर राजनीति का व्यापारीकरण हो गया है। और यह व्यापार मुफ्त का व्यापार है, इसमें शानो शौकत है, मान और सम्मान है। कुछ पैसा लगाना पड़ता है तो उसका रिटर्न भी अच्छा मिलता है। राजनीति के जरिये पैसा बनाने वालों के अपने तर्क हैं। ये लोग कहते हैं कि क्यों न राजनीति के जरिये पैसे कमाएं, जब चुनाव लड़ने के लिए अथाह धन खर्च करना पड़ता है। ये भी नहीं है कि एक बार जीत गए तो पूरा जीवन नहीं लड़ना पड़ेगा। सिर्फ पांच साल ही मिलेंगे। चुनाव लड़ने के लिए थोड़ी तैयारी भी करनी पड़ती है। पता लगा कि मेहनत तो सारी कुएं में चली गई क्योंकि हाईकमान में मौजूद किसी असरदार नेता के चलते कोई दूसरा व्यक्ति टिकट ले गया। फिर निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ा तो खर्चा और मेहनत दुगना, और पार्टी से बगावत अलग। ये लोग यह भी कहते हैं कि चुनाव प्रचार के लिए गाड़ियों व कार्यकर्ताओं की फौज, गाड़ियों के लिए ईंधन और कार्यकर्ता के भोजन-दारू की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक नहीं तो कोई भी साथ नहीं चलेगा। चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं की लिस्ट व जातीय समीकरण के हिसाब से हर जगह सुबह 6 से रात 10 बजे प्रचार के लिए जाना कुछ क्षेत्र के ऐसे मतदाताओं की वोट तभी पक्की मानी जाती है जब उन्हें चुनाव से पहले की रात तक लगातार दारू की बोतल और उनके परिवार के अन्य सदस्यों की मांगें पूरी होती रहेंगी। चुनाव कार्यालय के आसपास एक ऐसी जगह फिक्स होती है जहां कार्यकर्ताओं के लिए खाने-पीने के लिए 24 घंटे का बाकायदा हलवाई बिठाकर पूरा बंदोबस्त रहता है। कुछ कार्यकर्ताओं की भी फीस अलग अलग तरह की होती है। कई तो भाषण विशेषज्ञ होते हैं, नेता कुछ बोले, न बोले, वो नेता जी के लिए एक से बढ़कर एक विशेषण शब्द बोलते हैं। कुल मिला कर चुनाव में जुटे सारे कार्यकर्ता पैसे से ही बुलाए जाते हैं। अब इतना खर्च करके कौन वसूली नहीं करना चाहेगा। कुछ मायनों में दिए गए कुछ तर्क ठीक हैं, लेकिन ध्यान रहे कि पांचों उंगलियां बराबर नहीं होती। यह सिर्फ भ्रष्ट नेताओं के संदर्भ में सही होगा। जो नेता ईमानदार हैं और ईमानदारी से कार्य करते रहे हैं, उनके लिए राजनीति जनसेवा है, देशसेवा है। उदाहरण के लिए स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी, स्वर्गीय अटल जी इत्यादि जिनके ऊपर एक भी पैसे का दाग नहीं है। इन सबके अलावा आज और भी ऐसे ईमानदार नेता लोग हैं, लेकिन बहुत कम हैं। दरअसल, यह ध्यान में रखना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति के चुनकर आने का वास्तविक रहस्य समाज पर वैचारिक प्रभाव है। जिन विचारों का समाज पर अधिक प्रभाव रहता है, उन विचारों को मानने वाले व्यक्ति चुनावों में जीतकर आते रहते हैं और सत्ता भी उसी विचार को मानने वाली पार्टी के पास जाती है। चुनाव जीतने के लिए विचारों का महत्व अधिक है। विचारों से आंदोलन होता है और आंदोलन से राजनीतिक दशा और दिशा बदलती है। इसलिए यह कहना कि राजनीति के लिए बहुत पैसा चाहिए, गैर-वाजिब ही है।

धधक रहे हैं धरती के फेफड़े, हो रहा पर्यावरण का विनाश

धरती पर जीवन जीने के लिए अति आवश्यक ऑक्सीजन के उत्पादन में एल्गी या शेवाल के बाद वनों की महती भूमिका को देखते हुए वनों को धरती के फेफड़ों की संज्ञा भी दी जाती है। लेकिन जब फेफड़े ही जल रहे हों तो फिर स्थिति की गंभीरता को आंका जा सकता है। अगर आप भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के वनाग्नि डेशबोर्ड पर 24 अप्रैल की सुबह की ताजा स्थिति पर नजर डालें, तो आपको देशभर में पृथ्वी के दहकते फेफड़ों में मची तबाही का मंजर साफ नजर आएगा।

भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग उपग्रह से प्राप्त वनाग्नि के दृश्यों के विश्लेशित आकड़ों की पल-पल की जानकारी राज्यों के वन विभागों को देता है, जिससे की वनाग्नि को बुझाने के लिए तत्काल कार्यवाही कर सकें। विभाग के डैशबोर्ड पर 24 अप्रैल की प्रात: उत्तर से लेकर दक्षिण तक देश के 13 राज्यों में 62 वन क्षेत्रों में भीषण आग लगी हुई थी, जिनमें हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड में सर्वाधिक 30 स्थानों पर जंगल भयंकर रूप से धू-धू कर जल रहे थे। हिमालय पर लपटें कितनी खतरनाक हैं, उसे बढ़ती दैवी आपदाओं से साफ महसूस किया जा सकता है डैशबोर्ड में दूसरे नम्बर पर 8 घटनाओं के साथ आन्ध्र प्रदेश, 6 के साथ बहार और 3 अग्निकांडों के साथ झारखण्ड को दर्शाया गया था। बाकी राज्यों में एक या दो घटनाऐं दर्शायी गयीं थी। यही नहीं डैशबोर्ड में 17 अप्रैल से 22 अप्रैल तक के सप्ताह में हुए भीषण अग्निकाण्डों में उड़ीसा को पहले और उत्तराखण्ड को दूसरे स्थान पर दर्शाया गया था। उसके बाद वन बाहुल्य छत्तीसगढ़, और झारखण्ड की स्थिति बताई गई है।सरकारी विवरणों को अगर देखें तो वनाग्नि के नुकसान में केवल पेड़ों की गिनती करने के साथ ही आर्थिक नुकसान का आंकलन कर दिया जाता है, जबकि वन पेड़ पौधों और जीवों की प्रजातियों की एक विशाल श्रृंखला के प्राकृतिक घर हैं, जिनमें से कई प्रजातियां अन्यत्र कहीं नहीं पाई जाती हैं। जंगल में बड़े पेडों के अलावा छोटी नाजुक वनस्पतियां, लाइकेन्स के साथ ही जीवों की हिरन, लोमड़ी, गुलदार जैसे स्तनपायी जीव प्राय: भागकर जान बचाने में कामयाब हो सकते हैं। लेकिन पक्षी, तितलियां, मक्खियां, मकड़े, कीड़े-मकोड़े, मेंढक, दीमक, रेंगने वाले सांप, छिपकलियां और केंचुए जैसे अनगिनत जीव प्रजातियां खाक हो जाती हैं। आप कह सकते हैं कि वनाग्नि से भरा पूरा वन्यजीव संसार खाक हो जाता है। जबकि चींटी और दीमक से लेकर बड़े स्तनपाई जीवों तक हर एक को प्रकृति ने कुछ न कुछ दायित्व सौपा हुआ है। उदाहरण के लिए अगर वनों में दीमक न होंगे तो मिट्टी में उपजे बड़े पेड़ फिर मिट्टी में कैसे मिल पाएंगे।वनों को पृथ्वी के फेफड़े इसलिए माना जाता है, क्योंकि मानव फेफड़े की तरह वन ऑक्सीजन का उत्पादन करने और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम सांस में ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं। हमारी त्यागी गई कार्बनडाइआक्साइड वृक्षों के काम आती है और पादपों द्वारा छोड़ी गई ऑक्सीजन हमारे काम आ जाती है। वन प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जिससे वे पृथ्वी के वायुमंडल में गैसों के संतुलन को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हो जाते हैं। जंगल की आग से उत्पन्न धुआं और राख हवा की गुणवत्ता को खराब करता है, जिससे आस-पास के समुदायों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा हो सकता है। जंगल की आग बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों को वायुमंडल में छोड़ती है, जो जलवायु परिवर्तन में योगदान करती है और ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाती है। इस धुंवे में ब्लैक कार्बन होता है जो कि ग्लोबल और लोकल वार्मिंग का बढ़ाता है और इसका ऐरासोल वृद्धि के साथ ही अतिवृष्टि में भी सीधा योगदान होता है देश का 36 प्रतिशत वनक्षेत्र अक्सर वनाग्नि संवेदनशील जंगल की आग एक वैश्विक समस्या है। ऑस्ट्रेलिया, अमेजॉन, कनाडा के लम्बे समय तक दहकने वाले अग्निकांड इतिहास में दर्ज हैं। चूंकि अब धीरे-धीरे धरती का वनावरण सिमट रहा है इसलिए बचे-खुचे जंगलों की आग और अधिक विनाशकारी साबित हो रही है। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के आंकड़ों के अनुसार देश का 36 प्रतिशत वनक्षेत्र अक्सर वनाग्नि से धधकता रहता है और इसमें से भी 4 प्रतिशत क्षेत्र वनाग्नि की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। जबकि 6 प्रतिशत वनावरण अत्यधिक अग्नि प्रवण पाया गया है। फॉरेस्ट इन्वेंटरी रिकॉर्ड के अनुसार भारत में 54.40 प्रतिशत वन कभी-कभी आग की चपेट में आते हैं। 7.49 प्रतिशत मामूली रूप से बार-बार जलते हैं, जबकि 2.40 प्रतिशत वन अक्सर जलते रहते हैं। देश का 35.71 प्रतिशत वन क्षेत्र कभी भी आग की चपेट में नहीं आया।उत्तराखण्ड सरकार ने वनों में भड़की आग पर काबू पाने के लिए वायुसेना के हेलीकाप्टर मोर्चे पर उतार दिए हैं। वनकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। इस पर सेवा निवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एमसी भण्डारी इसे सेना का दुरुपयोग बताते हैं और कहते हैं कि सेना का उपयोग केवल बेहद गंभीर स्थितियों में तब किया जाता है जब सिविल एडमिनिस्ट्रेशन असफल हो जाता है और स्थिति उसके नियंत्रण से बाहर हो जाती है।इससे लगता है कि उत्तराखण्ड का शासन प्रशासन जंगल की आग से निपटने में विफल हो चुका है और स्थिति उसके काबू से बाहर हो चुकी है। जबकि राज्य में वन नौकरशाही का आकार बहुत बड़ा है। जनरल भंडारी के अनुसार अगर सरकार स्थानीय निवासियों पर जंगल को बचाने की जिम्मेदारी सौंपे तो वे बेहतर नतीजे दे सकते हैं। वनों को बचाना स्थानीय निवासियों की आय से भी जोड़ा जाना चाहिए। जनरल के अनुसार इसी तरह हेमकुण्ड साहब की यात्रा के मार्ग से बर्फ हटाने का काम भी सेना को दे रखा है। यह काम स्थानीय निवासियों से कराया जाता तो स्थानीय आर्थिकी में सुधार होता। वनाग्नि रोकने के प्रयास अधूरे

ऐसा नहीं कि सरकारों ने वनों को आग के रहमोकरम पर छोड़ दिया हो। वनों के महत्व को देखते हुए ही संसद ने संविधान संशोधन के जरिये वनों को 1976 में राज्य सूची से निकाल कर समवर्ती सूची में शामिल कर दिया था ताकि वनों को बचाने में केन्द्र सरकार की सीधी दखल रहे। वनो में आग का पता लगाने और त्वरित प्रतिक्रिया की सुविधा के लिए अग्नि टावरों, उपग्रह निगरानी, ड्रोन और रिमोट सेंसिंग प्रौद्योगिकियों जैसी आधुनिक व्यवस्थाऐं केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा की गई है। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग उपग्रह द्वारा निरन्तर अग्निकांड़ों पर नजर जमाए हुए है। हर साल अग्नि सुरक्षा पर अरबों रुपये खर्च हो रहे हैं। लेकिन जंगल फिर भी धधक रहे है। इसका मतलब साफ है कि, इस दिशा में कमियां मौजूद हैं जिन्हें दूर किए जाने की जरूरत है। वन सीधे तौर पर स्थानीय समुदाय के जनजीवन से जुड़े होते हैं और बिना उनके वनों की सुरक्षा मुमकिन नहीं है। लेकिन वन नौकरशाही का रवैया स्थानीय समुदाय के प्रति सहयोगात्मक नहीं रहता।

कभी लोग अपने जंगलों को स्वयं ही आग से बचाते थे लेकिन जब से जंगल सरकारी हो गये तब से कुछ लोगों द्वारा ही जंगलों में आग लगाने की घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। इसलिये जंगलों के प्रति लोगों के साथ ही वन नौकरशाही को भी जागृत किये जाने की आवश्यकता है।अक्सर वन विभागों को बजटीय बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक जागरूकता अभियान, प्रारंभिक पहचान प्रणाली, अग्निशमन उपकरण और कर्मियों के प्रशिक्षण जैसी आग रोकथाम गतिविधियों के लिए सीमित संसाधन होते हैं। इसलिए वन विभागों को बजट की शिकायत का मौका नहीं दिया जाना चाहिए ऐसे भी मामले सामने आए हैं कि वनीकरण के फर्जी आकड़ों की सच्चाई छिपाने के लिये भी जंगलों को आग के हवाले कर दिया जाता है। इसलिए उस भ्रष्टाचार पर भी अंकुश की जरूरत है। वन प्रबंधन और आग की रोकथाम से संबंधित कानूनों और विनियमों को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता भी अनुभव की जाती रही है। भारत में जंगल की आग पर अधिक व्यापक अनुसंधान और डेटा संग्रह की आवश्यकता भी है।धधक रहे हैं धरती के फेफड़े, हो रहा पर्यावरण धरती पर जीवन जीने के लिए अति आवश्यक ऑक्सीजन के उत्पादन में एल्गी या शेवाल के बाद वनों की महती भूमिका को देखते हुए वनों को धरती के फेफड़ों की संज्ञा भी दी जाती है। लेकिन जब फेफड़े ही जल रहे हों तो फिर स्थिति की गंभीरता को आंका जा सकता है। अगर आप भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के वनाग्नि डेशबोर्ड पर 24 अप्रैल की सुबह की ताजा स्थिति पर नजर डालें, तो आपको देशभर में पृथ्वी के दहकते फेफड़ों में मची तबाही का मंजर साफ नजर आएगा। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग उपग्रह से प्राप्त वनाग्नि के दृश्यों के विश्लेशित आकड़ों की पल-पल की जानकारी राज्यों के वन विभागों को देता है, जिससे की वनाग्नि को बुझाने के लिए तत्काल कार्यवाही कर सकें। विभाग के डैशबोर्ड पर 24 अप्रैल की प्रात: उत्तर से लेकर दक्षिण तक देश के 13 राज्यों में 62 वन क्षेत्रों में भीषण आग लगी हुई थी, जिनमें हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड में सर्वाधिक 30 स्थानों पर जंगल भयंकर रूप से धू-धू कर जल रहे थे। हिमालय पर लपटें कितनी खतरनाक हैं, उसे बढ़ती दैवी आपदाओं से साफ महसूस किया जा सकता है।

फाइटर के बाद कृष 4 में फिर साथ काम करेंगे ऋतिक रोशन और सिद्धार्थ आनंद!

ऋतिक रोशन के फैंस कृष फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म कृष 4 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दर्शकों के लिए खुशी की बात यह है कि अब धीरे-धीरे इस फिल्म से जुड़ी नई-नई जानकारियां सामने आने लगी है। ताजा अपडेट फिल्म के निर्देशक से जुड़ा है, जिसे जानकर ऋतिक के प्रशंसकों की खुशी दोगुनी हो जाएगी।

सिद्धार्थ आनंद कर सकते हैं डायरेक्ट मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक सिद्धार्थ आनंद कृष 4 को डायरेक्ट कर सकते हैं। ऋतिक रोशन और सिद्धार्थ आनंद पहले भी साथ में कई बार काम कर चुके हैं। दोनों ने बैंग बैंग, वॉर और फाइटर में काम किया था। इनमें से वॉर और फाइटर को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर भी कामयाब हुई थी और करोड़ों रुपये छापे थे।

वॉर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं ऋतिक इसी साल मार्च के महीने में खबर आई थी कि ऋतिक रोशन 2025 में कृष 4 की शूटिंग शुरू करेंगे। वह अपने पिता राकेश रोशन के साथ फिल्म की कहानी पर काम कर रहे हैं। खबर थी कि दोनों ने इसी साल गर्मी के महीनों में पूरा करने की योजना बनाई है। दोनों इस साल के आखिर तक कहानी को अंतिम रुप देना चाहते हैं। बता दें कि ऋतिक रोशन फिलहाल फिल्म वॉर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं।

कहानी तैयार करने में लग रहा है वक्त ऋतिक रोशन को एक बार फिर से सुपरहीरो के किरदार में देखने के लिए फैंस उतावले नजर आ रहे हैं। फिल्म निर्माता चाहते हैं कि कृष 4 की कहानी शानदार हो। यही वजह है कि बढ़िया कहानी तैयार करने में काफी वक्त लग रहा है। मालूम हो कि फिल्म का पहला भाग कोई मिल गया साल 2003 में रिलीज हुआ था। इसमें ऋतिक और प्रीति जिंटा ने मुख्य भूमिका निभाई थीं। दूसरे भाग का नाम कृष रखा गया था, जिसे 2006 में रिलीज किया गया था। इसमें प्रीति जिंटा की जगह प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म का तीसरा भाग कृष 3 कई साल बाद 2013 में रिलीज हुआ था।

रोशन सोढ़ी के पैसे थे बकाया?

असित मोदी ने तोड़ी चुप्पी, बोले- मुझे समझ नहीं आ रहा है कि ऐसा...

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' कई सालों से दर्शकों और प्रशंसकों के दिल पर राज कर रहा है। धारावाहिक के हर किरदार से प्रशंसक अपना जुड़ाव महसूस करते हैं। पिछले पांच दिनों से धारावाहिक में 'सोढ़ी' का किरदार निभाने वाले गुरुचरण गायब हैं। उनके प्रशंसक उनके गायब होने से काफी हैरान और परेशान हैं और उनकी सलामती की दुआ मांग रहे हैं। अब, निर्माता जेडी मजीठिया ने खुलासा किया है कि अमित बहल को भी इस मामले की जानकारी दे दी गई है।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में जब जेडी मजीठिया से पूछा कि क्या मामले के बारे में कोई अपडेट है, तो उन्होंने कहा, यादा नहीं, इस बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं है कि वह कहां गए हैं या उनके साथ क्या हुआ है। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा। मैं मामले में बहुत यादा शामिल नहीं हूं। वह मेरे शो में अभिनय नहीं कर रहे थे।

जेडी मजीठिया ने आगे कहा, इसलिए, मैंने सोचा कि मुझे चैनल, मीडिया और तारक मेहता टीम को सूचित करना चाहिए। अपने स्वभाव और चरित्र के कारण मैंने बस उनकी मदद करने के लिए संदेश फैलाया। मैं उनके परिवार के संपर्क में भी नहीं हूं। मैंने ष्टद्बह्य और अमित बहल को सूचित किया, लेकिन व्यक्तिगत रूप से मैं इस मामले में बहुत अधिक शामिल नहीं हूं।

हाल ही में, तारक मेहता के प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी ने भी इस खबर पर प्रतिक्रिया दी और गुरुचरण की तारीफ की। असित ने इस खबर को दर्दनाक और चौंकाने वाला बताया और कहा कि गुरुचरण सिंह एक जिम्मेदार पारिवारिक व्यक्ति थे। निर्माता ने यह भी साझा किया कि गुरुचरण हमेशा उनसे मुस्कुराते हुए मिलते थे।

गुरुचरण सिंह को उनका बकाया नहीं मिलने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए असित ने अफवाहों का खंडन किया। इससे पहले गुरुचरण की सह-कलाकार जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने बताया था कि तारक मेहता का उल्टा चश्मा से उनका बकाया चुका दिया गया है।

हरि हर वीर मल्लू का टीजर जारी,औरंगजेब के किरदार में खतरनाक लग रहे हैं बॉबी देओल

पावर स्टार पवन कल्याण की आने वाली फिल्म हरि हर वीर मल्लू का टीजर रिलीज हो गया है। यह उनकी पैन इंडिया फिल्म है, जिसका दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। टीजर के साथ फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया गया है। फिल्म को इसी साल रिलीज किया जाएगा। हालांकि, इसकी तारीख को लेकर निर्माताओं की ओर से कोई खुलासा नहीं किया गया है।

दो भाग में रिलीज होगी फिल्म

फिल्म निर्माताओं की ओर से 30 अप्रैल को घोषणा की गई थी कि 2 मई को सुबह 9 बजे हरि हर वीर मल्लू का टीजर रिलीज कर दिया जाएगा। पवन के फैंस तभी से उनकी झलक देखने के लिए बेताब हो रहे थे। आज निर्माताओं ने अपने वादे के मुताबिक टीजर जारी कर दिया है। हरि हर वीर मल्लू एक पीरियड एक्शन एडवेंचर फिल्म है। इसका निर्देशन कृष जगरलामुडी ने किया हैं। खास बात यह है कि इसे दो भाग में रिलीज किया जाएगा।

बॉबी देओल के किरदार ने बढ़ाया फैंस का रोमांच

पवन कल्याण के अलावा निधि अग्रवाल भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। दर्शकों को सबसे यादा दिलचस्पी बॉबी देओल को देखने में थी, क्योंकि वह इस फिल्म में मुगल बादशाह औरंगजेब का किरदार अदा कर रहे हैं। टीजर में उनके किरदार की हल्की सी झलक देखने को भी मिली है, जिसने फैंस की उत्सुकता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है।

मशहूर तमिल गायिका उमा रामानन का निधन, 72 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

भारतीय पार्श्व गायिका उमा रामानन का निधन हो गया है। वे मुख्य रूप से तमिल में गाती थीं। गायिका ने बुधवार, 1 मई को इस दुनिया को अलविदा कह दिया। वे 72 वर्ष की थीं। तमिल सिनेमा में कई यादगार गाने गाने वाली गायिका के परिवार में उनके गायक-पति एवी रामानन और उनके बेटे विग्नेश रमनन हैं। उनके निधन के पीछे का कारण अभी भी अज्ञात है। उनके अंतिम संस्कार के संबंध में अधिक जानकारी सामने आने का इंतजार है।

पति के लिए गए कई गाने

उमा रामानन एक प्रशिक्षित शास्त्रीय गायिका थीं और उन्होंने 35 वर्षों में 6,000 से अधिक संगीत कार्यक्रमों में भाग लिया। जब वे अपने पति और संगीतकार एवी रामनान से मिलीं तो उन्होंने उनके संगीत कार्यक्रमों के लिए सहयोग करना शुरू कर दिया। हालांकि, उमा ने अपने पति के लिए कई गाने गाए, लेकिन इलैयाराजा के साथ उनके जुड़ाव ने उन्हें प्रसिद्धि दिलाई।

इस गाने से मिली पहचान

तमिल फिल्म निजालगल से उमा रामानन की पूंगथावे थाल थिरावई ने उन्हें पहचान दिलाई। इससे उनके करियर को उड़ान मिली और उन्होंने इलैयाराजा के साथ 100 से अधिक गानों में काम किया। इलैयाराजा के अलावा, उन्होंने संगीतकार विद्यासागर, मणि शर्मा और देवा के लिए भी गाने गाए। उमा रामानन का आखिरी गाना विजय की थिरुपाची के लिए कन्नुम कन्नुम्थान कलंदाचू था।

सबसे ज्यादा कमाई करने वाली आइटम गर्ल बनी थीं यह तवायफ, पति ने गोली मार उतारा मौत के घाट

संजय लीला भंसाली की महाकाव्य गाथा हीरामंडी- द डायमंड बाजार का आखिरकार 1 मई को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर हो गया है। यह सीरीज लाहौर में स्थित सुंदरियों के बाजार, जो एक समय पर लोकप्रिय हीरा मंडी की वेश्याओं की एक काल्पनिक कहानी है। फिल्म निर्माता ने अपनी वेब सीरीज के लिए वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरणा ली। कहा जाता है कि हीरामंडी की कई कहानियां वास्तव में सच हैं। हालांकि, एक ऐसी ही सच्ची कहानी है- निग्गो की। चलिए जानते हैं उस तवायफ की सच्ची कहानी, जो हीरामंडी की कहानी में सच्चाई की झलक दिखाती है।

तवायफ से बनीं शीर्ष अभिनेत्री पाकिस्तान का फिल्म उद्योग लॉलीवुड लाहौर में स्थित है, यह वही शहर है, जहां एक समय में हीरा मंडी का शासन था। विभाजन के बाद यह पंजाबी और उर्दू में फिल्मों का निर्माण करने वाला एक प्रमुख फिल्म उद्योग बन गया। कई वेश्याओं को फिल्म निर्माताओं ने अभिनेत्रियों के रूप में पहचान दिलाई। यह 60 का दशक था, जब नरगिस बेगम उर्फ निग्गो ने स्टार बनने के लिए हीरा मंडी छोड़ दी थी। नृत्य कौशल के लिए जानी जाने वाली निग्गो लॉलीवुड में शीर्ष आइटम गर्ल बन गईं और 100 से अधिक फिल्मों में दिखाई दीं। उन्होंने 1964 में इशरत से डेब्यू किया था।

फिर कोठे की रौनक बनीं निग्गो 1971 में फिल्म कासु की शूटिंग के दौरान निग्गो की मुलाकात फिल्म निर्माता ख्वाजा मजहर से हुई। दोनों को प्यार हो गया और उन्होंने शादी कर ली, लेकिन निग्गो की मां से इसे मंजूरी नहीं मिली, क्योंकि एक तवायफ की शादी को हमेशा नापसंद किया जाता था। निग्गो की मां ने अपनी बीमारी का बहाना बनाया और निग्गो को वापस हीरा मंडी ले आई, जहां निग्गो की मां ने उन्हें धमकियां दीं और कोठे पर रहने के लिए उनका ब्रेनवॉश किया।

निग्गो का दुखद अंत इसके बाद निग्गो हीरा मंडी में ही रुकी रहीं। उनके पति निर्माता ख्वाजा मजहर ने उन्हें वापस लाने के लिए कई कोशिशें कीं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। 5 जनवरी 1972 को मजहर उन्हें घर लौटने के लिए मनाने हीरा मंडी पहुंचे, लेकिन फिर असफल रहे। इसके बाद उन्होंने अपना आपा खो दिया और निग्गो की गोली मारकर हत्या कर दी। गोलीबारी में निग्गो के चाचा और दो संगीतकारों की भी हत्या कर दी गई। निग्गो के पति को सार्वजनिक मुकदमे में अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई और उसकी स्वाभाविक मौत हो गई। निग्गो को लाहौर के मियां साहिब कब्रिस्तान में दफनाया गया।

अदिति ने याद दिलाई संजय की पहली बागी रज्जो, तवायफों की कहानी में देशभक्ति का ग्लैमरस तड़का

करीब एक एक घंटे के चार और करीब पौने-पौने घंटे के चार और एपिसोड यानी कुल आठ एपिसोड की वेब सीरीज 'हीरामंडी द डायमंड बाजार' निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली का वह ख्वाब है जो उन्होंने 14 साल पहले मोईन बेग से इसका विचार पहली बार सुनने के बाद से ही बुनना शुरू किया और जो अब जाकर पूरा हुआ है। कोई चार साल से इसकी मेकिंग पर काम चल रहा है। उससे भी पहले से संजय इसका संगीत बुनते रहते हैं। ए एम तुराज के लिखे गीत और संजय लीला भंसाली का संगीत इस सीरीज की आत्मा है तो सुब्रत चक्रवर्ती व अमित रॉय के बनाए सेट्स इसका अवतार। सीरीज का संपादन भी खुद संजय लीला भंसाली ने किया है तो समझ सकते हैं कि इसमें कुछ भी ऐसा देखने को आपको नहीं मिलेगा, जिसकी इस पूरी कहानी में कोई जरूरत न हो। कहानी आजादी से ठीक कुछ साल पहले की है। लाहौर इसका रंगमंच है। तवायफें इसके सबसे अहम किरदार हैं। लखनऊ और बनारस इसकी क्षेपक कथाएं हैं।

कहानी लाहौर के कोठों पर कब्जे की

खैर, बात शुरू करते हैं वेब सीरीज 'हीरामंडी द डायमंड बाजार' की। ये कहानी है मल्लिका जान की। मल्लिका जान लाहौर के इस कोठे पर कैसे आई? इसकी भी कहानी है कि ये यहां की सबसे कद्दावर तवायफ कैसे बनी? बेटियां उसके कहर के कांपती हैं। बड़ी बेटी बिब्बोजान लुके-छिपे क्रांतिकारियों का साथ दे रही है। दूसरी आलमजेब की बगावत अपनी शेरो शायरी को लेकर है। अपनी गजल के आखिरी शेर को 'मतला' न कहकर आखिरी शेर ही कहने वाले शायर नियाजी की महफिल तक जा पहुंची छोटी बेटी ही 'हीरामंडी द डायमंड बाजार' का भंसाली की तिजोरी से निकला असली हीरा है। इन दोनों बेटियों की अपनी अपनी प्रेम कहानी के अलावा एक इकतरफा प्रेम कहानी लज्जो की भी है। शराब पी-पीकर वह भी देवदास की तरह दीवानी हो चुकी है। सब कुछ मल्लिकाजान के हिसाब से चल ही रहा होता है कि उसके अतीत का साया करवट लेता है। उसका पुराना गुनाह नए तेवर में अपने पुराने रूप के साथ फरीदन बनकर लौट आता है। कोठों पर कब्जे की जंग में आजादी की जंग का तड़का है। नवाबों के सुरूर को फेंटता तवायफों का गुरूर है और है एक ऐसी पटकथा जो एक बार इसे देखना शुरू करने के बाद आखिर तक आपको रुकने नहीं देने देती है।

कहानियों के भीतर भी कहानियां

बतौर निर्देशक और निर्माता संजय लीला भंसाली ने हिंदी सिनेमा को 'हम दिल दे चुके सनम', 'ब्लैक', 'देवदास' 'गुजारिश', 'गोलियों की रासलीला रामलीला', 'बाजीराव मस्तानी' और 'पद्मावत' जैसे नगीने दिए हैं। उनकी फिल्मों में कहानियों का रस कैमरे से होकर परदे पर टपकता है। उनकी पिछली फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की कहानी मुंबई के वेश्याबाजार की कहानी थी, इस बार यही कहानी लाहौर पहुंची है। बस, यहां की तवायफें हर किसी की हमबिस्तर नहीं होतीं। वह किसी नवाब या किसी अंग्रेज अफसर को अपना 'साहब' बनाने की फेर में रहती हैं। मुजरों में लुटाई गई दौलत मल्लिकाजान पर निछावर करती हैं और अगर ऐसा नहीं किया तो कपड़े उतारकर उनकी जामातलाशी भी होती है। शक के ऐसे ही एक दायरे में में बार बार घूमकर पहुंचती रहती है कहानी 'हीरामंडी' की। तवायफों के बीच चलने वाली साजिशें, नवाबों के घरों तक जा पहुंची इन मोहब्बत की कहानियों और अंग्रेज अफसरों को मोहरा बनाकर इस्तेमाल करने की इनकी तरकीबों के बीच 'सबका जासूस एक' जैसा एक किरदार यहां उस्तादजी का भी है।

फैमिली ट्री समझने के लिए दिमाग खुला रखें

वेब सीरीज 'हीरामंडी द डायमंड बाजार' की कहानी की रफ्तार तेज है। इसके साथ कदमताल करने के लिए आपको अपना दिमाग भी औसत से थोड़ा ज्यादा तेज चाहिए होगा। किसने किसको मारकर किस विरासत पर कब्जा किया? कौन किसकी बेटी और कौन किसकी खाला क्यों और कैसे है? ये समझने में थोडी दिमागी कसरत लगेगी।

बच्चों को पोषण देने वाली मुहिम से जुड़े मनोज बाजपेयी, लोगों से की यह मार्मिक अपील

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी एक मुहिम में शामिल हो गए हैं। इस मुहिम का नाम- अगर बचपन से पूछा खाना खाया, तो देश का कल बनाया रखा गया है। यह आंदोलन नंद घर की ओर से शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक भोजन और उनके स्वास्थ्य की देखभाल करना है। वेदांता के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने मनोज बाजपेयी के इस मुहिम से जुड़ने पर उनका स्वागत किया और खुशी जताई।

राष्ट्रीय आंदोलन है नंद घर

इस मौके पर अनिल अग्रवाल ने कहा कि नंद घर एक राष्ट्रीय आंदोलन है। यह बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के अलावा महिलाओं के कल्याण का भी समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि मनोज की जिंदगी की कहानी, नंद घर के आने वाली पीढ़ियों को पोषित करने के मकसद से मेल खाती है। मालूम हो कि नंद घर अनिल अग्रवाल फाउंडेशन का प्रोजेक्ट है, जिसका उद्देश्य यह है कि कोई भी बच्चा भूखा न सोए। इस फाउंडेशन द्वारा पिछले साल एक न्यूट्री बार को लॉन्च किया था, जिसे वाराणसी की 1,364 आंगनबाड़ियों में 50,000 बच्चों को रोजाना खिलाया जाता है।

मनोज ने बताई गुणवत्तापूर्ण भोजन की अहमियत

खुद मनोज बाजपेयी ने भी गुणवत्तापूर्ण भोजन की अहमियत के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि किसी इंसान को अपने सपनों को पूरा करने की ताकत भरे पेट और पौष्टिक खाने से आती है। उन्होंने लोगों से नंद घर का समर्थन करने, दान करने और उनके साथ काम करने की भी अपील की। मनोज बाजपेयी ने कहा कि भूख से जूझने वाले इंसान के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास पर इसका गहरा असर पड़ सकता है। ऐसे में नंद घर की मुहिम काफी अहम हैं। यह आंदोलन बच्चों के पोषण के साथ-साथ उनके बेहतर भविष्य को भी सुनिश्चित करता है।

कोर्ट के बाहर हार्वे विंस्टीन के वकील ने की मीडिया से बातचीत, बोले- यह एक नया परीक्षण है

हॉलीवुड के मशहूर निर्माता हार्वे विंस्टीन के आज न्यूयॉर्क शहर में अदालत की सुनवाई में शामिल हुए। पिछले सप्ताह 2020 के बलात्कार की सजा को पलट दिए जाने के बाद व्हीलचेयर पर बैठकर पहली बार सुनवाई के लिए कोर्ट पहुंचे। विंस्टीनको बलात्कार के एक अलग मुकदमे में 16 साल की सजा का भी सामना करना पड़ेगा। अदालती सुनवाई से पहले हार्वे विंस्टीन के वकील आर्थर ऐडाला ने अदालत के बाद मीडिया से बात की।

सुनवाई को लेकर आर्थर ऐडाला ने कही ये बात

मीडिया से बात करते हुए आर्थर ऐडाला ने कहा, यह एक नया परीक्षण है। यह एक नया दिन है। हमें पूरा विश्वास है कि अगर वह सुनवाई के लिए जाते हैं, तो सुनवाई के अंत में हम केवल यही शब्द सुनेंगे कि वे दोषी नहीं हैं।

देवबंद में तीन युवकों ने बाइक से मेले के अंदर जाने से रोकने पर दरोगा पर किया जानलेवा हमला

पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गिरफ्तार, एक आरोपी हुआ फरार, जिसकी पुलिस तलाश में जुटी है

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, देवबंद में तीन युवक बाइक पर सवार होकर यहां कुछ रोज से भर रहे मेले में जा रहे थे। मेले में भीड होने के चलते मेला गेट पर तैनात दरोगा ने उन्हें बाइक से उतरकर अंदर जाने के लिए बोला। जिसके बाद उक्त युवकों ने दरोगा पर जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें दरोगा गंभीर रुप से घायल हो गया। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि एक आरोपी फरार हो गया है। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवबंद के श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी मेले में ड्यूटी कर रहे एसआई विनोद कुमार बीती रात्रि मेले के मुख्य गेट पर तैनात थे। इस दौरान तीन लोग बाइक पर सवार होकर मेले में अंदर जाने लगे। एसआई विनोद कुमार ने भारी भीड़ होने का हवाला देते हुए उन्हें पैदल जाने को कहा। इससे गुस्साए तीनों लोग उनके साथ बहस करने लगे।

विरोध करने पर तीनों ने धक्का-मुक्की शुरु कर दी। इससे पहले एसआई कुछ समझ पाते उक्त लोगों ने उन पर हमला कर दिया। जिससे उनके सिर में चोट लगने से वह गंभीर रुप से घायल हो गए। इस दौरान वहां अन्य पुलिसकर्मी भी पहुंच गए। जिन्होंने मौके से भाग रहे दो आरोपियों को पकड़ लिया। जबकि उनका एक साथी फरार हो गया। बाद में घायल एसआई को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से नाजुक हालत में उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वरिष्ठ उपनिरीक्षक अजय कुमार का कहना है कि दो हमलावर मौके से पकड़े गए हैं। उनका एक साथी फरार हो गया। जिसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि एक आरोपी नागल थाना के गांव रणमलपुर का है। जबकि दूसरा देवबंद क्षेत्र के गांव कुरलकी का रहने वाला है। पुलिस तीसरे आरोपी की तलाश कर रही है।

केन्द्रीय अधिकार प्राप्त समिति के सदस्यों ने किया बेहट स्थित खनन पटटा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र समेत कई अधिकारी उपस्तिथ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, माननीय सर्वोच्च न्यायालय में योजित सिविल अपील नं0 5013/2022 के क्रम में गठित केन्द्रीय अधिकार प्राप्त समिति के सदस्यों चन्द्र प्रकाश गोयल, डा0 जे0आर0 भटट् व श्रीमती भानूमती द्वारा जनपद सहारनपुर की तहसील बेहट अन्तर्गत ग्राम बरथा कोरसी में मैसर्स स्टार माईन्स, ग्राम बरथा कोरसी, तहसील बेहट, जिला सहारनपुर के पक्ष में स्वीकृत खनन पटटा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) / प्रभारी खनन रजनीश कुमार मिश्र, सागर जैन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, आशीष कुमार, ज्येष्ठ खान

अधिकारी, सुभाष सिंह, खान अधिकारी, शुभम सिंह, जिला वनाधिकारी सहारनपुर, दीपक कुमार, उपजिलाधिकारी बेहट, योगेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहारनपुर, सुभाष चन्द्रा, अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई विभाग, दीपक चौधरी पटटाधारक आदि मौके पर उपस्थित रहे।

मामूली बात को लेकर दो पक्षों में हुआ संघर्ष

दो महिलाओं समेत छह लोग हुए घायल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के बेहट थाना क्षेत्र में मामूली बात को लेकर दो पक्षों में संघर्ष हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर मारपीट और पथराव हुआ। संघर्ष में दो महिलाओं समेत छह लोग घायल हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहारनपुर जनपद के बेहट थानाक्षेत्र के अहमद कॉलोनी में कार ठीक करने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। दोनों पक्षों की तरफ से पथराव भी किया गया, जिसमें दो महिलाओं समेत छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को बेहट सीएचसी में भर्ती कराया। कस्बे की अहमद कॉलोनी में महकार (34) पुत्र अंसार अहमद व मोहम्मद अहमद उर्फ राहुल (33) पुत्र अलीहसन के बीच कार ठीक करने को लेकर कहासुनी के बाद मारपीट हो गई।

आरोप है, कि मारपीट के बाद राहुल पक्ष ने महकार पक्ष पर छत से पथराव कर दिया, जिसमें

महकार और उसके पक्ष के आमिर (19) व आकिल (23) पुत्रगण यूनुस, रिहाना (49) पत्नी युनूस निवासी मोहल्ला महाजनान कस्बा बेहट, आबदा (31) पत्नी महकार निवासी मोहल्ला अहमद कॉलोनी कस्बा बेहट घायल हो गए, जबकि दूसरे पक्ष का मोहम्मद अहमद घायल हो गया। जिन्हें सूचना पर पहुंची पुलिस उपचार के लिए सीएचसी ले गई। महकार पक्ष का कहना है कि उन्होंने मोहम्मद अहमद को कार ठीक करने के लिए दी थी, जो उसने ठीक नहीं की। उन्होंने उसे कार ठीक करने के बारे में कहा तो उसने उन पर हमला कर दिया, जबकि मोहम्मद अहमद का कहना है कि उसने महकार पक्ष की कार ठीक कर दी थी। उसने उनसे अपनी मेहनत के पैसे मांगे तो उन्होंने उस पर हमला कर दिया।

जिलाधिकारी ने की नेपियर घास के अधिक से अधिक उत्पादन की अपील

नेपियर घास एक पौष्टिक चारा जो गौवंशो के स्वास्थ्य के लिए साबित हो रहा लाभप्रद : डॉ दिनेश चंद्र

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि खेती के लिए उपयुक्त सार्वजनिक भूमि पर नेपियर घास का रोपण कराएं। उन्होंने कहा कि नेपियर घास के रोपण का यह उपयुक्त समय है। उन्होंने जनपद के सभी कृषकों से नेपियर घास के अधिक से अधिक उत्पादन करने की अपील करते हुए अन्य कृषकों को भी प्रेरित करने की बात कही। डॉ0 दिनेश चंद्र ने निर्देशित किया कि चारागाह की भूमि पर अधिक से अधिक नेपियर घास की बुआई की जाए। उन्होंने कहा कि नेपियर घास का उत्पादन वर्ष भर किया जा सकता

है। इसके फायदे बताते हुए उन्होंने कहा कि नेपियर घास का उत्पादन हरे चारे की निरंतर उपलब्धता के लिए आत्मनिर्भरता, विशेष रूप से पूरे वर्ष निराश्रित एवं आश्रित पशुओं के पोष्टिक आहार के रूप में बेहतर विकल्प है। ये एक पौष्टिक चारा है जोकि न केवल खाद्यान्न आवश्यकता को पूर्ण करेगा बल्कि गौवशों को स्वस्थ रखने में मदद करेगा। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के प्रयासों से कृषक बंधुओं द्वारा जनपद में काफी मात्रा में उत्पादन किया गया है। जिससे इसके रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। विगत वर्ष से जनपद की सभी गौशालाओं में भी नेपियर घास की बुवाई की गई थी। जिलाधिकारी द्वारा चलाए गए अभियान से आसपास के कृषकों में नवचेतना का प्रवाह हुआ है। नेपियर घास के उत्पादन से गौवंश के संरक्षण एवं भरण भूषण के लिए बेहतर व्यवस्थाएं स्थापित हुई हैं।

सहारनपुर में विकास प्राधिकरण अवैध निर्माण पर लिया एक्शन

विकास प्राधिकरण की टीम ने चार अवैध निर्माण कार्यों को किया सील

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, विकास प्राधिकरण की टीम ने आज चार अवैध निर्माण कार्यों को सील किया। सहारनपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आशीष कुमार ने बताया कि चार अवैध निर्माण कार्यों को सील किया गया है। इनमें नवादा रोड के अंकित विहार में दुकान निर्माण के लिए कॉलम व दीवारों की चिनाई का कार्य, नवादा रोड पर लगभग 2500 वर्गगज के भूखंड पर

टीन शेड डालने के लिए खड़े किए लोहे के ऊंचे पोल और मोहल्ला पिलखनतला चौक के निकट एक दुकान के निर्माण कार्य को सील किया गया है। इसके अलावा टीम ने गणेश मार्किट के द्वितीय तल पर दो हॉल के निर्माण कार्य को भी सील किया है। इस दौरान सहायक अभियंता सार्थक शर्मा, अवर अभियंता रोहित कुमार, चरण सिंह, वैभव कुमार,अलीम आदि मौजूद रहे।

बस स्टैंड पर व्यापारियों ने उन्हें 35 लाख रुपए की चोरी घटना के मामले में आडे हाथ लेते हुए खूब खरी-खोटी सुनाई

क्षेत्रीय विधायक रोजमर्रा की चोरियों से अजीज आए दुकानदारों का दुख बांटने के लिए आए थे नागल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । नागल, क्षेत्रीय विधायक रोजमर्रा की चोरियों से अजीज आए दुकानदारों का दुख बांटने के लिए नागल आए थे लेकिन बस स्टैंड पर व्यापारियों ने उन्हें 35 लाख रुपए की चोरी घटना के मामले में आडे हाथ लेते हुए खूब खरी खोटी सुनाई। बताते चलें कि कस्बा नागल में दुकानदारों के बाहर रखें नमक लाल व पीली मिट्टी कट्टे बाइक पर सवार दो युवक प्रतिदिन चोरी कर रहे थे जिसको लेकर व्यापारियों में खासा रोज व्याप्त है। इन व्यापारियों का दुख बांटने हेतु क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र निम नागल आए तथा व्यापारियों से मिलकर रोज हो रही चोरियों की बाबत जानकारी ली। ? इसी दौरान वे बस स्टैंड स्थित ज्वैलर्स अरुण तायल की दुकान पर भी पहुंचे जहां व्यापारियों ने अरुण तायल के यहां हुई 35 लाख रुपए के जेवरात चोरी के मामले में अभी तक पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने पर विधायक को खूब खरी खोटी सुनाई। अरुण तायल ने कहा कि यहां पर सभी लोग भाजपा के समर्थक हैं लेकिन जिस तरह से पुलिस ने उनके यहां हुई चोरी के मामले को दबाया वह बेहद शर्मनाक है। शुरू-शुरू में पुलिस ने उस रात यहां से गुजरने वाले सभी लोगों के मोबाइल चेक किए थे उसके बाद इस मामले में कुछ संदेहप्रदों द्वारा यहां से भाग जाने की जानकारी मिली थी। उसके बाद पुलिस ने क्या किया उसकी जानकारी को देने को तैयार नहीं है। विधायक ने इस संबंध में उच्च अधिकारियों से मिलने का वादा करके व्यापारियों को शांत किया और चलते बने। इस अवसर पर मुख्य रूप से कपिल डावर, मनमोहन सिंह मोनी, राजीव त्यागी, मुकेश महेश्वरी, संजय विश्वकर्मा, श्रवण तायल, अभिनंदन, प्रधान पति बिरम, राकेश पहलवान आदि शामिल रहे।

पारस्परिक सहयोग की परिभाषा बना योग

पंचामृत छलका गया मोक्षायतन का 51वा स्थापना दिवस

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, भारत सरकार द्वारा देश के अग्रणी योग संस्थान मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान का 51वा स्थापना दिवस और गुरु पद्मश्री भारत भूषण का 73वा जन्मदिवस संस्थान के शिष्यों ने बड़े खास अंदाज में मनाते हुए स्वच्छता, श्रद्धा, सेवा, श्रमदान और साधना की निरंतरता के संकल्प से समाज विशेषकर युवा पीढ़ी में गहरा संदेश छोड़ दिया। संस्थान के 51वे स्थापना दिवस उत्सव मे देश के अन्य हिस्सों से आए योग जिज्ञासुओं ने भी बड़ी संख्या में भागीदारी की। बेरी बाग स्थित संस्थान मुख्यालय स्थित पतंजलि सभागार में विश्व कल्याण यज्ञ, नेशन बिल्डर्स एकेडमी परिसर व आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान, सहभोज, भंडारा और सामूहिक संकल्प

कार्यक्रम की शुरुआत योग गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण और संस्थान निदेशक गुरु मां आचार्या प्रतिष्ठा ने रामपुर स्थित मोक्षायतन संस्थान की भारत योग शाखा में पहुंचकर नए सभागार का लोकार्पण करके की। इस अवसर पर केंद्र प्रभारी आचार्य शशिकांत शर्मा योगाचार्य नवनीशकांत, ऋचा बड़थ्वाल, नैना शर्मा और उद्धव के अलावा बड़ी तादाद में मौजूद लोगों ने योग साधकों की मनोहारी प्रस्तुतियों का आनंद लिया। 51वां स्थापना दिवस योग संस्कार संकल्पदिवस के रूप में मनाते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग एवं कथक गुरु आचार्या प्रतिष्ठा ने सभी को अपने भीतर नियमित साधना से योगशक्ति और सेवा से देशभक्ति जगाने का विशेष संकल्प भी दिलाया। मुरादाबाद शाखा के आचार्य अमित गर्ग, भारत योगी पुनीत, भारतयोगी आलोक श्रीवास्तव, सुमन्यू सेठ, विक्रांत जैन, योगाचार्या अनीता शर्मा, कंचन तेहरी , नारायण वर्मा, कुमार वैभव, मुकेश शर्मा, शिवम और विष्णु वर्मा ने अटूट भंडारे का संचालन किया। प्रसिद्ध बाल योगिनी देवी प्रत्यक्षा के संकीर्तन और आचार्य प्रदीप कंबोज के भजनों ने अपना समा बांधा। योग गुरु स्वामी भारत भूषण का जन्मदिन होने से साधकों ने पुष्पर्चन एवं गुरु वंदन से गुरुदेव का सत्कार करते हुए मोक्षायतन की योग यात्रा आधा घंटे की डॉक्यूमेंट्री फिल्म द्वारा दिखाई गई। इस अवसर पर अपने आशीर्वचन में गुरु भारत भूषण ने कहा कि यह मात्र एक व्यक्ति या संस्था का जन्मदिन नहीं बल्कि एक विचार हर साधक के योगस्थ, स्वस्थ व देशधर्म हित व्यस्त हो रहने के आंदोलन का स्थापनादिवस है जिसकी आधारशिला भारत का मूल योग है। उन्होंने कहा कि देश के राष्ट्रपति राज्यपाल मुख्यमंत्री और संघप्रमुख डा मोहन भागवत जी समेत महान विभूतियों का आगमन होते रहने से मोक्षायतन बड़ा योग संस्थान नहीं है बल्कि इसके साधकों के सेवाभाव योग संस्कृति के प्रति समर्पण की अटूट श्रृंखला ने देश और दुनिया की महान विभूतियों को यहां आने के लिए प्रेरित किया है इसलिए साधकों का ध्यान निजकर्मधर्म पर ही रहना चाहिए। 50 वर्ष पुराने वरिष्ठ यजमान गुलशन निझारा, स. जरनैल सिंह और जंगवीर सैनी को श्रीफल पुष्पवर्षा से आशीर्वाद दिया गया और गुरुदेव के बालसखा महंत कौशलेंद्र स्वामी को श्रीफल पुष्प वर्षा से सत्कारित किया गया।

शेयर बाजार में जारी है तेजी, सेंसेक्स 204 और निफ्टी 57 उछला

नई दिल्ली। 2 मई 2024 को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली है। आज मई महीने का पहला कारोबारी सत्र है। बीते दिन महाराष्ट्र दिवस के मौके पर बादार बंद था।

आज शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 204.88 अंक चढ़कर 74,687.66 पर पहुंच गया। निफ्टी 57.35 अंक बढ़कर 22,662.20 पर पहुंच गया।

टॉप गेनर और लूजर स्टॉक

सेंसेक्स में पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, सन फार्मा और एचडीएफसी बैंक के शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं, जबकि कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति, विप्रो और टाइटन के शेयर लाल निशान पर हैं।

जीएसटी कलेक्शन

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि मजबूत आर्थिक गति और घरेलू लेनदेन और आयात में वृद्धि के कारण अप्रैल में वस्तु एवं सेवा कर संग्रह 12.4 प्रतिशत बढ़कर 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। एक बयान में कहा गया कि जीएसटी संग्रह इस साल अप्रैल में पहली बार 2 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार का हाल

एशियाई बाजारों में, टोक्यो और हांगकांग बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे जबकि सियोल और शंघाई में गिरावट देखी गई। वॉल स्ट्रीट बुधवार को मिश्रित रुख के साथ समाप्त हुआ।

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.53 प्रतिशत चढ़कर 83.88 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 1,071.93 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

सीमित दायरे में रुपया

आज डॉलर के मुकाबले रुपया सीमित दायरे में है। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा में भारतीय करेंसी 83.41 पर मजबूत खुली, लेकिन बाद में डॉलर के मुकाबले अपने पिछले बंद स्तर 83.43 पर फिसल गई। सोमवार को 7 पैसे की गिरावट के एक दिन बाद मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे बढ़कर 83.43 पर बंद हुआ था।

श्रीलंका के इस बंदरगाह का विकास करेगा भारत, 500 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना

नई दिल्ली । भारत श्रीलंका में स्थित एक बंदरगाह के विकास पर 500 करोड़ रुपये खर्च करने जा रहा है. श्रीलंका की कैबिनेट ने इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. कांकेसंथुरई पोर्ट श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में स्थित है। केकेएस बंदरगाह 16 एकड़ के क्षेत्र में फैला है और यह पुडुचेरी में करईकल बंदरगाह से 104 किलोमीटर दूर है। पुडुचेरी के अलावा तमिलनाडु के नागपट्टनम से कांकेसंथुरई पोर्ट के लिए आवागमन की सुविधा है.दोनों स्थानों के बीच 111 किलोमीटर की दूरी को साढ़े तीन घंटे में तय किया जा सकता है।

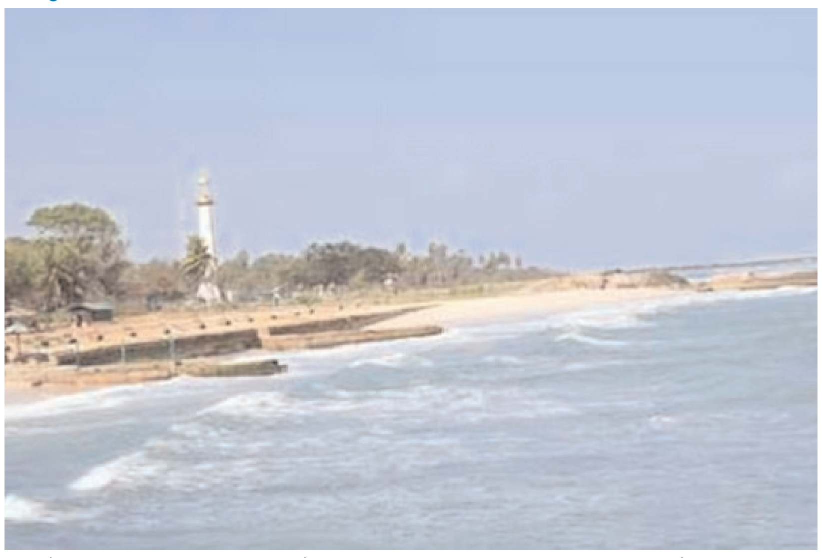

हाल के दिनों में इस बंदरगाह को मरम्मत को जरूरत पड़ी है. भारत ने इसके पुनर्विकास से जुड़े सारे खर्चों को वहन करने की इच्छा दी थी. इस बाबत श्रीलंका की कैबिनेट में चर्चा हुई. इस दौरान श्रीलंका की संसद ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। श्रीलंका की कैबिनेट से जारी बयान में कहा गया है कि इस परियोजना की महत्ता पर विचार करते हुए भारत सरकार प्रोजेक्ट के लिए पूरी अनुमानित लागत वहन करने पर तैयार हो गयी है. इस साल मार्च में किये गए आकलन के अनुसार इस प्रोजेक्ट में कुल 513 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। बता दें कि लागत से जुड़ी कुछ मिसमैच की वजह से इस प्रोजेक्ट के शुरुआत में देरी हुई थी. इस प्रोजेक्ट के लिए कैबिनेट ने औपचारिक रूप से मंजूरी 2 मई, 2017 को दी थी. इसके बाद, परियोजना प्रबंधन सलाहकार सेवाओं की पेशकश की मंजूरी 18 दिसंबर, 2019 को दी गई। बता दें कि कांकेसंथुरई पोर्ट कभी श्रीलंका का व्यस्त पोर्ट हुआ करता था. इस बंदरगाह के जरिये जाफना प्रायद्वीप का श्रीलंका के दूसरे भागों से संपर्क हुआ करता था. लेकिन श्रीलंका में सिविल वार के दौरान लिट्टे उग्रवादियों ने इस पोर्ट पर हमला करके इसे तहत नहस कर दिया था. इसके बाद से इस पोर्ट से व्यावसायिक ऑपरेशन ठप हो गये थे।

यात्री वाहनों की बिक्री 3.38 लाख के पार

मारुति ने बेचीं 1.37 लाख से अधिक गाड़ियां

नई दिल्ली। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल, 2024 में सालाना आधार पर मामूली 1.17 फीसदी बढ़कर 3,38,341 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में कुल 3,32,468 यात्री वाहन बिके थे। उच्च तुलनात्मक आधार प्रभाव और आम चुनावों के कारण गाड़ियों की मांग लगभग स्थिर रही है।

इस दौरान मारुति सुजुकी इंडिया, ह्युंडई और टाटा मोटर्स की घरेलू थोक बिक्री में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, मारुति सुजुकी ने अप्रैल में 1,37,952 यात्री वाहन बेचे। यह आंकड़ा अप्रैल, 2023 के 1,37,320 इकाई से ज्यादा है। ह्युंडई मोटर इंडिया के यात्री वाहनों की बिक्री एक फीसदी बढ़कर 50,201 इकाई पहुंच गई। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री 2 फीसदी बढ़कर 47,883 इकाई पहुंच गई।

भारत के इस राज्य के लोग टंकी फुल नहीं करा सकेंगे

एक दिन में इतने रुपये का ही पेट्रोल-डीजल खरीद सकेंगे

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ने राज्य में मालगाड़ियों का आवागमन बाधित होने की वजह से ईंधन के भंडार में आई कमी के मद्देनजर बुधवार को पेट्रोल और डीजल बेचने-खरीदने की सीमा निर्धारित की है। बस को केवल 60 लीटर डीजल ही बेचें- विभाग दो पहिया वाहन प्रतिदिन 200 रुपये और चार पहिया वाहन 500 रुपये तक का पेट्रोल ही खरीद सकेंगे। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा जारी आदेश में पेट्रोल पंपों से कहा गया है कि वे एक दिन में एक बस को केवल 60 लीटर डीजल ही बेचें जबकि मिनी बस और आटो रिक्शा-तिपहिया वाहनों के लिए यह सीमा क्रमश = 40 और 15 लीटर होगी। बता दें कि असम के जतिंगा में बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन के कारण त्रिपुरा आने वाली मालगाड़ियां बाधित हो गई हैं। मरम्मत कार्य के बाद 26 अप्रैल को यात्री ट्रेन सेवा तो बहाल कर दी गई थी लेकिन जतिंगा के रास्ते ट्रेन सेवा रात को अब भी स्थगित है।

आवाजाही बाधित होने की वजह से पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति में कमी खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अतिरिक्त सचिव निर्मल अधिकारी ने कहा कि राज्य में आने वाली मालगाड़ियों की आवाजाही बाधित होने के कारण पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में कमी हुई है और इसलिए ईंधन ङ्क पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर एक मई से अगले आदेश तक कुछ पांबदी लगाने का फैसला किया गया है।

भारतीय टीम 21 मई को अमेरिका के लिए होगी रवाना

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के लीग चरण के समाप्त होने के एक दिन बाद टी-20 विश्व कप के लिए 21 मई को अमेरिका के लिए रवाना होगी। क्रिकबज के अनुसार, जो खिलाड़ी आईपीएल प्ले-ऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमों का हिस्सा नहीं होंगे, वे पहले बैच के साथ यात्रा करेंगे, जिसमें राहुल द्रविड़ के सहयोगी स्टाफ के सभी सदस्य शामिल हैं। दूसरा बैच 26 मई को आईपीएल फाइनल के पूरा होने के बाद अमेरिका के लिए उड़ान भरेगा।

टीम न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भरेगी, जहाँ उसे तीन लीग मैच, 5 जून (विरुद्ध आयरलैंड), 9 जून (विरुद्ध पाकिस्तान) और 12 जून (विरुद्ध मेजबान अमेरिका), खेलने हैं । प्रारंभिक योजना न्यूयॉर्क में एक शिविर लगाने की है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) मैनहट्टन से 30 किलोमीटर दूर नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में अभ्यास सुविधाओं की व्यवस्था कर रही है। टीम के लिए लगभग छह ड्रॉप-इन अभ्यास पिचें होंगी। बता दें कि बीसीसीआई ने सोमवार को आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए टीम घोषित कर दी है, जिसमें ऋषभ पंत, और संजू सैमसन की वापसी हुई है, जबकि केएल राहुल को नहीं चुना गया है। आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या (उप कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद. सिराज।

रिजर्व- शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और आवेश खान।

फेजर-मैकगर्क, स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम से बाहर, मार्श होंगे कप्तान

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के प्रतिभाशाली युवा) टी-20 बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क और तीनों प्रारूपों के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक स्टीवन स्मिथ को ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टी-20 विश्व कप टीम में शामिल नहीं किया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बुधवार सुबह टी-20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम की घोषणा की। चयनकर्ताओं ने एश्टन एगर के रूप में दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर और कैमरून ग्रीन के रूप में एक अतिरिक्त ऑलराउंडर को टीम में शामिल करने का फैसला किया है, ताकि पूरे टूर्नामेंट में उन्हें गेंदबाजी में अधिक लचीलापन मिल सके। जैसा कि उम्मीद थी, मिशेल मार्श टीम की कप्तानी करेंगे। मार्श पिछले 12 महीनों में अंतरिम कप्तान के रूप में तीन टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व कर चुके हैं। नाथन एलिस को ऑस्ट्रेलिया के तीन बड़े खिलाड़ियों पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड और मिशेल स्टार्क के पीछे चौथे तेज़ गेंदबाज़ी विकल्प के रूप में शामिल किया गया है, जबकि जोश इंगलिस को भी पहली पसंद के विकेटकीपर मैथ्यू वेड के पीछे रिजर्व विकेटकीपर और यूटिलिटी बैटर के रूप में चुना गया है। चयनकर्ताओं ने ट्रैविस हेड, डेविड वार्नर और मार्श की अनुभवी तिकड़ी पर भरोसा करने का फैसला किया, जिन्होंने पिछले साल के वनडे विश्व कप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उन्होंने ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड और वेड के साथ मध्य क्रम को भी काफी पहले ही तय कर लिया था, जिसके पहली पसंद की एकादश में शामिल होने की संभावना है। ग्रीन और इंग्लिस को अंतिम 15 में फ्रेजर-मैकगर्क और स्मिथ के मुकाबले प्राथमिकता दी गई क्योंकि वे कई भूमिकाएं निभा सकते हैं। ग्रीन चोटिल मार्श और स्टोइनिस के लिए कवर प्रदान करते हैं, जबकि इंग्लिस बैकअप विकेटकीपर हैं, लेकिन उन्होंने कुछ सफलता के साथ क्रम में लगभग हर स्थान पर बल्लेबाजी की है। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा,हम उन कई खिलाड़ियों पर नज़र रखना जारी रखेंगे जो इस प्रारंभिक टीम में शामिल नहीं हो पाए हैं और ध्यान दें कि अगर हम इस टीम में बदलाव करना चाहते हैं, तो हमारे पास आईसीसी के नियमों के अनुसार आने वाले हफ़्तों में ऐसा करने का विकल्प है। कप्तान नियुक्त किये जाने पर मार्श ने कहा, जिनके टी-20 कप्तान के रूप में चयन को सीए ने बुधवार सुबह मंजूरी दे दी, अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान रहा है और अब विश्व कप में टीम का नेतृत्व करना और भी बड़ा सम्मान है। हमें हाल के दिनों में कुछ अच्छी सफलताएँ मिली हैं और मुझे उम्मीद है कि यह इस व्यापक टूर्नामेंट में भी जारी रहेगी। ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप टीम- मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जाम्पा।

राफेल नडाल ने चौथे दौर की हार के बाद मैड्रिड ओपन को अलविदा कहा

नई दिल्ली । स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने चौथे दौर की हार के बाद बुधवार को मैड्रिड ओपन को अलविदा कह दिया। टूर्नामेंट के पांच बार के चैंपियन (2005, 2010, 2013, 2014 और 2017) नडाल ने चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका के खिलाफ मैड्रिड ओपन के करियर का अपना अंतिम मैच खेला, जहां चौथे दौर में उन्हें 5-7, 4-6 से हार मिली।यह मैच दो घंटे और दो मिनट तक चला। चौथे दौर में एक जीत का मतलब मैड्रिड में स्पेनिश खिलाड़ी के लिए 60वीं जीत होती, लेकिन अब 2003 में मैड्रिड एरिना में एलेक्स कोरेट्जा के खिलाफ उनके पहले मैच के बाद से, उनकी गिनती हमेशा के लिए 59 जीत और सिर्फ 15 हार पर ही रहेगी। मैच के बाद, टूर्नामेंट आयोजकों ने कोर्ट पर 2008, 2010, 2013-2014 और 2017 के उनके पांच खिताबों के बैनर बंद छत से फहराए गए। उन्होंने नडाल के हाइलाइट्स का एक वीडियो भी दिखाया,इस दौरान जबकि उनकी पत्नी और बहन स्टैंड में आंसू बहा रहीं थीं। नडाल ने एटीपी टूर के हवाले से कहा, यह मेरे लिए बहुत खास सप्ताह रहा, व्यक्तिगत रूप से और मेरे टेनिस के लिए कई मायनों में बहुत सकारात्मक। मुझे फिर से कोर्ट पर खेलने का मौका मिला। कुछ हफ़्ते पहले, बार्सिलोना से दो दिन पहले, मुझे नहीं पता था कि मैं फिर से आधिकारिक मैच में भाग ले पाऊंगा या नहीं और अब मैं दो हफ़्ते खेल चुका हूँ। यह अविस्मरणीय रहा है। उन्होंने कहा, यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है, जो तब शुरू हुई जब मैं छोटा था। मैं पहली बार 2003 में मैड्रिड आया था, जब टूर्नामेंट इनडोर खेला गया था। पहली बार मैं 2005 में प्रतिस्पर्धी महसूस करते हुए यहाँ आया था। यह मेरे करियर की सबसे रोमांचक जीत में से एक थी। तब से, सभी ने बिना शर्त समर्थन दिया है।। नडाल ने कहा, यह एक मुश्किल दिन है, लेकिन यह एक सच्चाई है। मेरा शरीर और मेरा जीवन मुझे कुछ समय से संकेत दे रहे थे। मैं इस कोर्ट पर खेलते हुए अलविदा कहने में सक्षम था, जो मेरे लिए सबसे भावनात्मक क्षणों में से एक था। मैड्रिड कई बार मेरे लिए ग्रैंड स्लैम से भी ज़्यादा महत्वपूर्ण रहा है। यहाँ की यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी। 22 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले 37 वर्षीय नडाल ने कहा, मैंने यहां 21 साल तक जो कुछ भी खेला है, वह मेरे लिए एक उपहार है। मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि 'धन्यवाद।

ब्रिटेन का दावा : नए वीजा नियमों के बाद छात्र आश्रितों की संख्या में आई भारी गिरावट

लंदन- इस साल की शुरुआत से प्रभावी छात्र वीजा नियम के बाद विदेशी छात्रों के साथ आने वाले आश्रितों या निकट परिजनों जैसे पति, पत्नी और बच्चों की संख्या में महत्वपूर्ण गिरावट देखने को मिली है। ब्रिटिश सरकार ने इसका स्वागत किया है। ब्रिटेन के गृह विभाग का कहना है कि पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से लेकर मार्च के महीने में छात्रों के साथ आने वाले आश्रितों की संख्या में 80 प्रतिशत तक गिरावट देखने को मिली है। इसके अलावा इस बार 26,000 से कम छात्रों ने वीजा का लिये आवेदन किया। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि आंकड़ों का मतलब है कि देश की वीजा प्रणाली में उनके द्वारा किए गए बदलाव काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, परिजनों और आश्रितों को ब्रिटेन लाने वाले छात्रों की संख्या बहुत अधिक थी। यह उचित नहीं था। उन्होंने कहा, हमारे बदलाव काम कर रहे हैं – छात्रों के आश्रित लोगों की संख्या में अब 80 प्रतिशत की कमी आई है। जनवरी

से प्रभावी नियमों के तहत, अनुसंधान पाठ्यक्रमों को छोड़कर अधिकतर अंतरराष्ट्रीय छात्र परिजनों को साथ नहीं ला सकते हैं। अब वे अपना पाठ्यक्रम पूरा करने से पहले अपना वीजा नहीं बदल सकते हैं। सरकार ने दावा किया है कि पहले ब्रिटेन में काम करने के लिए पिछले दरवाजे के रूप में छात्र वीजा का दुरुपयोग किया गया। नए नियम के तहत शिक्षा नहीं आव्रजन बेचने वाले संस्थानों पर गृह विभाग की तरफ से व्यापक दबाव बनाया गया है। हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय छात्र वीजा मामले में भारतीयों सबसे आगे रहे हैं और ये आंकड़े दर्शाते हैं कि इस साल की शुरुआत में देखी गई गिरावट का मतलब यह हो सकता है कि कम भारतीय छात्र ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों को चुन रहे हैं। ब्रिटेन के गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली के कार्यालय ने उनकी वीजा कार्रवाई के प्रभाव को उजागर करने के लिए अंतरिम आंकड़े जारी किए। क्लेवरली ने कहा, लगातार बढ़ती संख्या हमारी आव्रजन प्रणाली में ब्रिटिश लोगों का भरोसा कम कर रही है, सार्वजनिक सेवाओं पर बोझ डाल रही है और वेतन को कम कर रही है। उन्होंने कहा, जब मैंने कानूनी प्रवासन में अब तक की सबसे बड़ी कटौती करने का वादा किया, तो मुझे पता था कि हमें व्यावहारिक रूप से जल्द से जल्द अपनी कार्रवाई का प्रभाव दिखाने के लिए भी काम करना चाहिए...यह रेखांकित करता है कि देखभाल कार्यकर्ता आश्रितों की अस्थिर संख्या में कटौती के लिए आवश्यक कार्रवाई क्यों की गई थी। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली सरकार की प्रवासन में कटौती योजना में अभी और चीजें सामने आनी बाकी हैं। फरवरी के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2019 और 2023 के बीच अध्ययन वीजा पाने वाले भारतीयों की संख्या में 85,849 की वृद्धि हुई – जो ब्रिटेन में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का उच्चतम समूह है। हालांकि, 2023 में भारतीय नागरिकों को 1,20,110 अध्ययन वीजा मिला जो 2022 की तुलना में 14 प्रतिशत कम था – जो पहले से ही कड़े वीजा मानदंडों के बीच गिरावट का संकेत दे रहा है।

पाकिस्तान के विपक्षी नेता ने की भारत की तारीफ , कहा- पड़ोसी महाशक्ति बनने की राह पर और हम भीख मांग रहे...

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के कई नेता और जनता अपने देश के हालात से दुखी है और कई भारत की तरक्की की तारीफ कर चुकी है। अब विपक्षी नेता और छ्वढ्ढ–स्न के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने भी भारत की तारीफों के पुल बांधे हैं। नेशनल असेंबली में भाषण के दौरान उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत है जो महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है और दूसरी तरफ हमारा देश है जिसे दिवालियापन से बचने के लिए हर वक्त भीख मांगनी पड़ रही है। नेशनल असेंबली में भाषण के दौरान उन्होंने कहा कि,भारत एक महाशक्ति बनने का सपना देख रहा है, जबकि हम दिवालियापन से बचने के लिए भीख मांग रहे हैं। उन्होंने आगे पाकिस्तान की दुर्दशा के लिए कुछ लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि ये कौन है उन लोगों का नाम उन्होंने नहीं लिया। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने निर्वाचित अधिकारियों को महज कठपुतली बना दिया है। उन्होंने कहा कि कुछ शक्तियां हैं जो

हमें नियंत्रित कर रही हैं और वे निर्णय लेती हैं जबकि हम सिर्फ कठपुतली हैं। मौलाना फजलुर रहमान ने आरोप लगाया,सरकारें महलों में बनती हैं और नौकरशाह तय करते हैं कि प्रधानमंत्री कौन होगा। मौलाना फजल ने सवाल किया, कब तक हम समझौता करते रहेंगे? कब तक हम सांसदों को चुने जाने के लि ए बाहरी ताकतों से मदद मांगते रहेंगे। वहीं उन्होंने 2 मई और 9 मई को कराची और पेशावर में मिलियन मार्च की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि लोगों की बाढ़ को रोका नहीं जा सकता और जो लोग कोशिश करेंगे उन्हें परिणाम भुगतना होगा। उन्होंने 2018 और 2024 दोनों चुनावों में चुनावी धांधली की निंदा की। उन्होंने सवाल किया, इस सभा (संसद) में बैठते समय हमारी अंतरात्मा कैसे साफ हो सकती है, क्योंकि हारने वाले और जीतने वाले दोनों संतुष्ट नहीं हैं।इसके अलावा, रहमान ने लोकतांत्रिक अधिकारों के महत्व को रेखांकित करते हुए पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) को सार्वजनिक सभा आयोजित करने की अनुमति देने की वकालत की।

रूसी मिसाइलों के हमले से धूं-धूं कर जल उठा यूक्रेन का हैरी पॉटर महल, 5 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क: रूसी मिसाइलों के यूक्रेन में हैरी पॉटर कैसल नाम के महल पर मिसाइल हमले से महल में भीषण आग लग गई और 5 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि हमले में लगभग 20 आवासीय इमारतें और बुनियादी सुविधाएं भी क्षतिग्रस्त हो गईं। रूसी हमले के वीडियो और चित्र सोशल मीडिया पर साझा किए गए हैं। यूक्रेन जारी किए गए हमले के वीडियो और तस्वीरों में एक शैक्षणिक संस्थान के शंकु के आकार के टावरों और छत को अपनी चपेट में लेते हुए दिखाया गया है। स्कॉटिश बैरोनियल ढेर की तरह दिखने के कारण इस संपत्ति को हैरी पॉटर महल के नाम से भी जाना जाता है। यूक्रेनी

अधिकारियों का मानना ??है कि रूस ने हमले को अंजाम देने के लिए इस्कंदर बैलिस्टिक मिसाइल और क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल किया। हमले के बाद 1.5 किलोमीटर के दायरे से मिसाइल का मलबा बरामद हुआ है। यूक्रेनी अधिकारियों का मानना है कि अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए रूस ने खतरनाक हथियार से हमला किया है। यूक्रेनी अधिकारी ने कहा कि जांच जारी है, यूक्रेन के शांत शहरों पर हमला करने वालों का हम पता लगाएंगे और उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

अमेरिकी प्रोफैसर का दावाः पश्चिमी मीडिया को भारत की उल्लेखनीय प्रगति से हो रही जलन, बना रहा मनगणंत कहानियां

न्यूयार्क: अमेरिका के सैनफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रख्यात भारतीय–अमेरिकी शिक्षविद डॉ.अनुराग मैराल ने गत 10 साल को भारत की उल्लेखनीय प्रगति वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि पश्चिम मीडिया भारत की प्रगति को समझ नहीं पा रही है और उससे दूर बैठकर ईष्या के मारे अलग कहानियां लिख रहा है जिसकी कोई विश्वसनीयता नहीं है। स्टैंडफोर्ड विश्वविद्यालय के स्टैंडफोर्ड बेयर्स सेंटर फॉर डिजाइन में वैश्विक संपर्क कार्यक्रम के निदेशक और औषधि विभाग के प्रोफेसर डॉ.मैराल ने एक साक्षात्कार में कहा, '' अगर आप वास्तविक स्थिति जानना चाहते हैं तो जमीन पर जाकर काम करें। उन्होंने कहा,''मुझे लगता है कि भारत जैसे जटिल देश के लिए दूर से रिपोर्टिंग करना ऐसी कहानियां लिखने का एक नुस्खा है जो आपको विश्वसनीयता प्रदान नहीं करती हैं। मैराल भारतीय चुनावों, लोकतंत्र की स्थिति और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर

पश्चिमी मीडिया में विशेष रूप से अमेरिका में हाल में प्रकाशित नकारात्मक लेखों की श्रृंखला को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अधिकांश प्रमुख वैश्विक मीडिया की जो रिपोर्ट सामने आ रही हैं, वे उन्हें कुछ मायनों में कम विश्वसनीय और हास्यास्पद बनाती हैं। हममें से अधिकांश जो भारत को जानते हैं वे अब वास्तव में उन खबरों या लेख का अनुसरण नहीं करते हैं क्योंकि हम उन्हें केवल सतही पाते हैं और वास्तविक आंकड़ों पर आधारित नहीं हैं। भारतीय लोकतंत्र के भविष्य और देश के अधिनायकवादी शासन की ओर बढ़ने के आरोपों के बारे में अमेरिकी मीडिया में प्रकाशित हो रही खबरों और विचारों को लेकर पूछे गए सवाल पर स्टैनफोर्ड के प्रोफेसर ने कहा कि यह सच्चाई से बहुत दूर है। उन्होंने कहा, ''मैं व्यक्तिगत रूप से देश (भारत) को निकट भविष्य में निरंकुश शासन की दिशा में बढ़ते हुए नहीं देखता हूं। शायद कभी नहीं। मुझे भारतीय लोगों पर विश्वास है। डॉ.मैराल ने कहा, ''भारतीयों में जबरदस्त आत्मविश्वास है, वे अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में बहुत ही जागरूकता हैं। उन्होंने कहा, ''आमतौर पर पश्चिमी मीडिया के संभ्रांत लोग भारतीय मतदाताओं की परिपक्वता के स्तर की सराहना नहीं करते हैं और मुझे नहीं लगता कि वे (भारतीय) निरंकुशता के पक्ष में खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि भारत विकास की उल्लेखनीय कहानी है। उन्होंने कहा, ''कई मायनों में, भारत वहीं खड़ा है जहां चीन 20 साल पहले था। लेकिन वह चीन से अलग रास्ता अपना रहा है। यह निश्चित रूप से लोकतांत्रिक है, यह पश्चिम के साथ कहीं अधिक सहयोगात्मक तरीके से जुड़ा हुआ है। मैराल ने कहा कि सिलिकॉन वैली भारत को बहुत अलग नजरिए से देखती है। उन्होंने कहा, सिलिकॉन वैली महसूस करती है कि भारत पहले ही उसकी विकास यात्रा का हिस्सा है, क्योंकि भारत से आई प्रतिभाएं यहां कई कंपनियां चलाती हैं और यहां प्रतिभा पूल का हिस्सा हैं।

जिम करते करते आया ब्रेन स्ट्रोक.....सिर पकड़ जमीन पर तड़पने लगा

नेशनल डेस्क- जिम कर रहे एक और युवक की मौत का भयानक वीडियो सामने आया है। मामला उत्तर प्रदेश के वाराणसी का है जहां जिम कर रहे युवक की मौत हो गई। 32 साल का युवक जिम में एक्सरसाइज करते करते उसके सिर में दर्द हुआ और वह जमीन पर गिर पड़ा। आनन–फानन में युवक को नजदीकी निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना का सीसीटीवी फूटेज भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, वाराणसी के चेतगंज क्षेत्र के पियरी इलाके के रहने वाले 32 वर्षीय दीपक गुप्ता रोजाना जिम किया

करते थे हर बार की तरह कल भी शहर के सिद्धगिरी बाग इलाके में स्थित एक जिम में सुबह एक्सरसाइज करने पहुंचे लेकिन एक्सरसाइज करने के दौरान उनके सिर में अचानक तेज दर्द हुआ और वह अपना सिर पकड़ जमीन पर बैठ गए तड़पने लगे। दीपक को जमीन पर गिरा देख पास में एक्सरसाइज कर रहे अन्य युवक दौड़कर दीपक के पास पहुंचे और हालत गंभीर देख उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने दीपक को मृत घोषित कर दिया। माना जा रहा है कि एक्सरसाइज के बाद दीपक को ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। बता दें कि ऐसा दिल का आकार बढ़ने की वजह से हो सकता है। दीपक के पीछे उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं। दीपक की मौत के बाद उनके परिवार के लोग सदमे में हैं।

उत्तराखंड सरकार ने अतिविशिष्ट व्यक्तियों से 25 मई तक चारधाम यात्रा पर न आने का किया अनुरोध

देहरादून: आगामी 10 तारीख से शुरू हो रही चारधाम यात्रा के लिए लोगों के जबरदस्त उत्साह को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने बुधवार को अतिविशिष्ट व्यक्तियों से शुरुआती 15 दिनों के दौरान यात्रा पर न आने का अनुरोध किया ताकि आम श्रद्धालुओं को दर्शनों में किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रदेश की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने इस संबंध में सभी प्रदेशों और संघ शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को एक पत्र लिखा है। पत्र में रतूड़ी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में चार धामों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और इस साल भी शुरुआती 15 दिनों में ही 10 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''श्रद्धालुओं के अप्रत्याशित संख्या में आने की संभावना को देखते हुए यह अनुरोध किया जाता है कि गणमान्य व्यक्ति और प्रदेशों के अधिकारी 10 मई से 25 मई की अवधि के दौरान धामों की अपनी यात्रा को टाल दें।%% चार धामों के नाम से प्रसिद्ध गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ धाम की यात्रा 10 मई से शुरू हो रही है। गंगोत्री, यमुनोत्री और केदारनाथ के कपाट जहां अक्षय तृतीया के दिन 10 मई को खुलेंगे, वहीं बदरीनाथ के कपाट 12 मई को खुलेंगे। यात्रा शुरू होने से पहले ही देश भर के श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और अब तक चारधाम वेब पोर्टल, मोबाइल एप और व्हाटसएप के जरिए 17.88 लाख लोग अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। वहीं गढ़वाल के आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर राज्य सरकार के स्तर से पुख्ता तैयारियां की जा रही हैं, जिसकी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी नियमित रूप से समीक्षा कर रहे हैं।

महराजगंज में ईंट भट्टे की दीवार गिरने से 3 मजदूरों की मौत, सभी मृतक झारखंड के निवासी

उत्तर प्रदेश– उत्तर प्रदेश में महराजगंज जिले के बृजमनगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार को एक ईंट भट्ठे की दीवार गिरने से दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। फरेंदा क्षेत्र के उपजिलाधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि बृजमनगंज के करमहा गांव में एक ईंट भट्ठे की दीवार गिरने से यहां श्रमिक के तौर पर काम करने वाली दो महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई। साथ ही दो अन्य लोग घायल हो गये। सभी मृतक झारखंड के निवासी थे।

पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घायलों को इलाज के लिए सिद्धार्थनगर के मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। मौके पर राहत कार्य जारी है। स्थानीय प्रशासन ने अभी तक मृतकों और घायलों के नाम तथा उम्र की जानकारी नहीं दी है।

महिला ने बच्चे के साथ ट्रेन के सामने छलांग लगाई, दोनों की मौत

इटावा के भरथना रेलवे स्टेशन के पास एक महिला ने बुधवार को अपने पांच वर्षीय बेटे के साथ ट्रेन के आगे कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस बताया कि रश्मि (25) अपने पांच वर्षीय बेटे आर्यन के साथ एक यात्री ट्रेन के आगे कूद गई जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के थाना प्रभारी शैलेश निगम ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि महिला घरेलू विवाद को लेकर परेशान थी। मामले की जांच की जा रही है।

चीन में बारिश-तूफान का कहर जारी

राजमार्ग ढहने से कम से कम 24 लोगों की मौत

बीजिंग- पिछले छह दिनों में दक्षिणी चीन में भारी बारिश–तूफान का कहर जारी है और नदी किनारे के शहरों में कई लोग मारे गए। दक्षिणी चीन के गुआंगडोंग प्रांत में एक राजमार्ग का एक हिस्सा ढह गया, जिससे कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई। राज्य प्रसारक सीसीटीवी ने बुधवार को यह जानकारी दी।रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाके में हाल के दिनों में भारी बारिश हो रही है और बचावकर्मियों ने 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि पिछले कुछ दिन से इलाके में भारी बारिश होने के कारण यह हादसा हुआ। राजमार्ग का 17.9 मीटर लंबा बड़ा हिस्सा ढह जाने से बने गहरे गड्ढे में 18 कारें गिर गईं। घटना देर रात करीब दो बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उन्होंने सड़क का हिस्सा ढहने के तुरंत पहले ही वहां से गुजरते समय

तेज आवाज सुनी और अपने पीछे कई मीटर चौड़ा गड्ढा बनते देखा। चीन के स्थानीय मीडिया द्वारा दिखाए गए वीडियो और तस्वीरों में घटनास्थल पर धुंआ और आग दिखाई दे रही है। आग की लपटों में राजमार्ग पट्टी नीचे की तरफ झुक रही है। राजमार्ग से नीचे की ओर जाने वाली ढलान पर ध्वस्त हो चुकी कारों का ढेर भी देखा जा सकता था। सड़क के टूटे हुए हिस्से के साथ ही राजमार्ग के नीचे की जमीन भी धंसी हुई दिखाई दे रही है। सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी के मुताबिक बचावकर्मियों ने 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया। हॉन्गकॉन्ग से 130 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्वांगझोउ शहर गुआंगडोंगप्रांत की राजधानी है। गुआंगडोंग प्रांत चीन के सबसे बड़े प्रांतों में से एक है। इसे चीन के इंडस्ट्रियल एरिया के रूप में भी जाना जाता है। इस क्षेत्र में कई फैक्ट्रीज है, जो बड़ी मात्रा में चीनी सामानों को एक्सपोर्ट करती है। इससे पहले चीन के ग्वांगझोउ शहर में आए बवंडर के कारण पांच लोगों की मौत हुई व 33 लोग घायल हुए हैं। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक तूफान शनिवार (27 अप्रैल) दोपहर ग्वांगझोउ शहर से टकराया। इस दौरान यहां 20.6 मीटर प्रति सेकंड की रफ्तार की अधिकतम हवा दर्ज की गई। तूफान के कारण 141 फैक्ट्रीज की इमारतों को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बचाव दल अभी भी उन 10 लोगों की तलाश कर रहा है जो रविवार से लापता हैं। आधिकारिक शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने कहा कि झाओकिंग शहर में तीन लोगों की मौत हो गई। बता दें कि बीते दो हफ्तो में ग्वांगदोंग प्रांत के हिस्सों में भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे बाढ़ जैसे पैदा हालात हो गए हैं। मीझोऊ के कुछ गांवों में अप्रैल में बाढ़ आई और हाल के दिनों में शहर में भारी बारिश हुई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569